



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1978 (आश्विन 1, 1900)
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1978 (ASVINA 1, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पार्ट 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II—ग्रन्थालय संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कें० स० से० संवग के स्थायी प्रनुभाग अधिकारी श्री मं० से० छावड़ा को स्थानापन्थ रूप से तदर्थं आधार पर वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर 1-9-78 से 30-11-1978 तक अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2 श्री मं० से० छावड़ा संघ लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर प्रतिनियक्ति पर होंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित उपबन्धों के अनसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुख्यजी
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अगस्त 1978

सं० ए० 12019/1/78-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंस्कृक्त अधिगृहना प्रिन्टर 10-4-1978 के अनक्रम में
256GI/78

मन्त्रिय, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानापन्थ वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री एम० एस० खण्डूरी को 1-9-1978 से 30-11-1978 तक की प्रवधि के लिए अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया जाता है।

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर श्री एम० एस० खण्डूरी प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० ५फ० 10 (24) ई० III/60 दिनांक 4-5-61 में अन्तर्विष्ट, उपबन्धों के अनसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुख्यजी
अवर सचिव
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अगस्त, 1978
सं० पी०/1807-प्रशा० I—आयकर निरीक्षण सहायक, पूना के पद पर उनका स्थानान्तरण हो जाने पर भारती राजस्वसिवा के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में कार्यरत उपसचिव श्री ए० एन० कोलहटकर की सेवा, य नए पद पर कायं

करने के लिए 14-8-78 (अपराह्न) से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को पुनः सौंपी जाती है।

दिनांक 31 अगस्त 1978

सं. ४० १९०१४/१/७७-प्रशा० १—महालेखाकार, केरल की कोसीन शाखा में उपमहालेखाकार के पद पर उनकी तैनाती हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त श्री आर० एस० अव्यर की सेवायं 31-7-78 (अपराह्न) से भारतीय नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को पुनः सौंपी जाती है।

प्र० ना० मुख्यमंत्री
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं. जे-२८/६५ प्रशासन-५—गृह मन्त्रालय द्वारा स्थापित गृहात् जाच आयोग में पुलिस अधीक्षक के रूप में चयन हो जाने पर श्री जेठानन्द, पुलिस उप-अधीक्षक, एम० आई० सी०, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को गृहात् जाच आयोग में कार्यभार ग्रहण करने के लिए दिनांक 1-7-78 (प्रथालि) में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 2 सितम्बर, 1978

सं. टी०-८/७२-प्रशासन-५—श्री टी० आर० श्रीरामूलू, नियंत्रक के दिनांक 15-10-75 को अपने राज्य में प्रत्याखर्तन हो जाने तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दिनांक 21-2-76 से पुनिग उप-अधीक्षक के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति के बारे में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के राजपत्र अधिसूचना टी०-८/७२-प्रशा० ५, दिनांक 7-11-75 तथा दिनांक 19-३-७६ ऋमशः एतद्वारा रह की जाती है।

श्री श्रीरामूलू को दिनांक 24-७-७२ (अपराह्न) से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर माना जाये।

दिनांक 4 सितम्बर, 1978

सं. पी० एफ० /एम०-६/७०-प्रशा० ५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानियंत्रक, विषेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री सुन्दर लाल सेत्या, लोक अभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो वी प्रोत्तिथर दिनांक: 11-८-७८ के अपराह्न से अगले आदेश तक के लागे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थं आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. के० ११/७१-प्रशा० ५—शाह जांच अधियोग से प्रत्याखर्तन हो जाने पर श्री के० जी० विद्यामार्ग, पुलिस उप-अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उसी पद पर दिनांक 17-५-७८ के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

महानियंत्रक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीदोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं. ई-32015(1)/6/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति आधार पर श्री सी० पी० रामाकृष्णन को १ अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यनिट एम० ए० पी० पी० कलाक्कम का कमांडर नियुक्त करते हैं।

सं. ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—बी आई० ओ० पी० डिपाजिट नं० ५ से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० जानकी-रमन ने ५ अगस्त 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एस० एच० ए० आर० सेटर श्रीहरिकोटा के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 31 अगस्त 1978

सं. ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—तमिलनाडु राज्य में निवारण की आयू होने पर श्री मी० पी० रामाकृष्णन ने ३१ जुलाई, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० एम० पी० कलाक्कम के कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(2)/1/78/कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री परशोत्तम सिंह ने ३१ जुलाई, 1978 के अपराह्न से सहायक महानियंत्रक (उ० व प० क्षेत्र) नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारीख से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय के सहायक महानियंत्रक विधि व नियमन) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

रथानांतरण होने पर श्री के० डी० नैयर, भा० पु० से० (सं. शा० क्षे०-६७) ने ३१ जुलाई, 1978 के अपराह्न से प्रशिक्षण रिजर्व नई दिल्ली कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने श्री परशोत्तम सिंह के स्थान पर, उसी तारीख से सहायक महानियंत्रक (उ० व प० क्षेत्र) नई दिल्ली के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं. ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—बड़ीदा को स्थानान्तरण होने पर श्री के० कौल ने १ अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—दुग्धपुर में स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० चड्ढा ने 5 अगस्त, 1978 के पूर्वाल्प से के० श्री० पु० ब० यूनिट बी० सी० मी० एस० शरिया के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० ई-16013(1)/1/78-कार्मिक—प्रतिनिधित्व । र स्थानांतरण होने पर श्री बी० आर० सूद, भा० पु० से० (मणिपुर-किंपुरा-54) ने 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाल्प में बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के उपमहानीरीक्षक/के० श्री० पु० ब० के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

2. यह विनांक 3-8-78 की समस्ख्यक अधिसूचना का अधिकरण करती है।

सं० ई 38013(2)/1/78 कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर श्री एल० एम० देवासहायम ने 9 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० पु० ब० यूनिट, एम० एच० ए० आर० सेंटर, श्रीहारिकोटा के कमांडेट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कार्मिक—कोचीन में स्थानांतरण होने पर श्री पी० के० आर० नायर ने 10 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० पु० ब० यूनिट एस० एच० ए० आर० सेंटर, श्रीहारिकोटा के महायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कार्मिक—नागलैण्ड में स्थानांतरण होने पर श्री एम० एस० बोस ने 10 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० पु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कार्मिक—आई० आई० टी० कानपुर से प्रत्यावर्तन होने पर श्री चेताराम सिंह ने 5 अगस्त 1978 के अपराह्न से के० श्री० पु० ब० यूनिट नर्स विल्ली के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सम्भाल लिय।

दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ई 38013(3)/1/78 कार्मिक—शरिया में स्थानांतरण होने पर श्री एन० सी० दास ने 7 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० पु० ब० यूनिट डी० एम० पी० दुग्धपुर के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद
सहायक महानीरीक्षक (कार्मिक)
के० आ० पु० ब० मुख्यालय

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होमांगाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 7 (42)/61315—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०/2/2104 दिनांक 6-6-78 के आगे श्री एस० पी० चट्ठी द्वारा स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से सहायक कार्य प्रबन्धक के पदपर नियमित रूप से वेतनमान रु०

840-40-1000 द० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा काल पर दिनांक 10-4-78 से महायक कार्य प्रबन्धक के पद पर रहेंगे।

सं० 7 (43)—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०/1/7296 दिनांक 12-12-77 के आगे श्री पी० पी० शर्मा को सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से वेतनमान रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 में नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा काल पर दिनांक 1-12-77 से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर रहेंगे।

दिनांक 26 अगस्त 1978

सं० 7 (41) 4412—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक सी०/4/6920 दिनांक 28-11-77 के आगे श्री एस० एस० जोहरी, को स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा काल पर दिनांक 14-12-77 से सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर रहेंगे।

दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० फ० 7 (44) 4418—श्री एस० एस० मंवी फोरमैन (उत्पादन) को स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-8-78 से वेतनमान रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 में नियमित रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है। सहायक कार्य प्रबन्धक की यह जगह श्री ए० के० घोष के तदर्थे आधार पर मुख्य रसायनक के पद पर नियुक्ति होने के कारण हुई है।

श० रा० पाठक
महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की समस्ख्यक अधिसूचना दिनांक 21-4-78 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किंबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति दिनांक 25-3-78 से 31-7-78 तक बैंक नोट मुद्रणालय देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार जम्मू व कश्मीर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० प्रशा० I/60 (58)/78-79/2221-29—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के स्थायी

अनुभाग अधिकारी श्री बंसी लाल सुल्तान जन्म तिथि : 3-4-1936 को 28-8-1978 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० एम मुमारकी
बरिष्ठ उपमहालेखाकार
प्रशासन तथा अधिकरण

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भूवनेश्वर, दिनांक 17 अगस्त 1978

सं० ओ० ओ० सी०-६४०—निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की नियुक्ति महालेखाकार, उड़ीसा द्वारा कार्यवाहक लेखा अधिकारी के रूप में तथा उनके नाम के साथ इशारियी गयी तिथियों से नए आदेश होने तक रु 840-40-1000-०० अवरोध-40-1200 के वेतनमान पर की जाती है।

- (1) श्री ए० एन० विश्वास—11-8-78 (पूर्वाह्न)
- (2) श्री डी० एस० पटनायक—10-8-78 (पूर्वाह्न)
- (3) श्री एस० आर० विश्वास—9-8-78 (पूर्वाह्न)
- (4) श्री य० सी० महान्ती—9-8-78 (पूर्वाह्न)
- (5) श्री प्रभाकर पण्डा—9-8-78 (पूर्वाह्न)

उनकी परस्पर वरीयता ऊपर संकेतिक क्रम में होगी।

एस० पलानिअप्पन
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय

खंड-400020, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० प्रशा०-१/१ एडी/३१-वाल्यूम-III/सी०-७(१)/८—
महालेखाकार महाराष्ट्र-1, बन्बई अधिनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री पी० आर० देशपांडे को दिनांक 10-8-78 पूर्वाह्न से अपने कार्यालयों में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियक्त करते हैं।

रजनी कृष्ण कुट्टी
बरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० एय०/ए०/II/५/वाल्यूम-II/784—मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० भास्कररामामूर्ति को अपने कार्यालय में ही दिनांक 11-8-78 के पूर्वाह्न से आगे आदेश तक स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० एय०/ए०/II/५/वाल्यूम-II/725—मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० सतीन्द्रनाथन को अपने कार्यालय में ही दिनांक 22-7-78 के पूर्वाह्न से आगे आदेश तक स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

डी० एन० प्रसाद,
उप मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

दक्षिण रेलवे

मद्रास-3, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० फ/पी० सी०/वी० आर०/10056—मुख्य लेखा परीक्षक द्वारा दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी० रामनाथन को 3-8-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक 840-1200 रु० के वेतनमान में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गई पदोन्नति केवल तदर्थ रूप से है और यह सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय पर अलंबित होगी।

टी० वी नागराजन
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा भाग नियंत्रक

नयी विल्ली-110022, दिनांक 2 अगस्त 1978

सं० 86016(13)/75-प्रशा०-II(पी० सी०)—विस्त मंत्रालय व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) में अतिरिक्त विस्त सलाहकार एवं संयुक्त सचिव के रूप में प्रतिनियुक्त पर सेवारत, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री वी० के० बनर्जी, जो बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II में स्थानापन्थ रूप में कार्य कर रहे थे, को 9 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में प्रत्यावर्तित कर दिया गया था।

दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० 86016/(15)/77/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपए 2250/- 125/2 2500) के स्तर-II में, स्थानापन्थ रूप में कार्य करने के

लिए, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से आगामी प्रादेश पर्यन्त, महर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
सं०		
1.	श्री एस० वेंटसुब्रह्मण्यन्	22-6-77 (पूर्वाह्नि)
2.	श्री आर० बी० कपूर	16-6-77 (पूर्वाह्नि)

वो० एस० भीर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

आधीक्षिक विकास विभाग

आर्थिक विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1978

सं० 12/596/68-प्रशासन (राजपत्रित) — रायन व उवंरक विभाग, नई दिल्ली में संयुक्त निदेशक के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री एस० एम० आर० जैवी ने दिनांक 20 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उपनिदेशक पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० १०-१९०१८/३३६/७८-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपतिजी, शाखा, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हुबली के अधीक्षक श्री पी० गजेन्द्रन को दिनांक 18 अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री पी० गजेन्द्रन ने दिनांक 18 अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12/365/62-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) श्री आर० एस० चौधरी को दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्नि) से 14 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) तक के लिए कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के फलस्वरूप श्री आर० एस० चौधरी ने दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्नि) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्नि) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 8 अगस्त 1978

सं० १०-१९०१८/३५१/७८-प्रशासन (राजपत्रित) — वेतन तथा लेखा कार्यालय (विस्फोटक) नागपुर से स्थानान्तरण के परिणामस्वरूप श्री एस० एन० शर्मा ने दिनांक 17 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली में लेखा अधिकारी (तदर्थ), वेतन तथा लेखा कार्यालय, (लघु उद्योग), नई दिल्ली पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० १०-१९०१८/३५०/७८-प्रशासन (राजपत्रित) — भारतीय अर्थ सेवा की ग्रेड-IV अधिकारी तथा कार्यालय, वस्त्र आयुक्त बम्बई में महायक निदेशक श्रीमती सुब्बालक्ष्मी अम्मल को राष्ट्रपतिजी दिनांक 3 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्रीमती सुब्बालक्ष्मी अम्मल ने दिनांक 3 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 10 अगस्त 1978

सं० 12/365/62-प्रशासन (राजपत्रित) — तदर्थ नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री आर० एस० चौधरी ने दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई निल्ली में निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्नि) से ही कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० आई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महेन्द्र गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 23 अगस्त, 1978

सं० ई०-II(7) — इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II(7) में—

श्रेणी 2-नाइट्रोट मिश्रण के अधीन

1. “अल्फाडाइन” शब्द व अंक की प्रविष्टि “विनिर्विष्ट स्थलों पर 30 सितम्बर, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभियोग हेतु” को हटा दिया जायगा;

2. "फार्मास्टीस्ट" शब्द व अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1978 पर्यन्त अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा;
3. "फार्मास्टीस्ट" शब्द के पश्चात् "फार्मास्टीस्ट" जोड़ा जाए;
4. "फार्माजिहन" शब्द अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 30 सितम्बर, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा;
5. "फार्माजिल" शब्द व अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा;
6. प्रविष्टि "मोनोएक्स" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे;
7. प्रविष्टि "पी ई०-आई० एम०" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे;
8. "परमाडाइन" शब्द के पूर्व "पेन्टाडाइन" जोड़ा जाए;
9. प्रविष्टि "पल्करेक्स" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

ओणी 3 भाग 1 के अधीन

1. "जिओपस्स" शब्द के पश्चात् "गोमा 2ई-सी०" जोड़ा जाए।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० प्र०-1/1(221)—स्थायी उप निवेशक और स्थानाप्ना निवेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई श्री एम० ए० बी० चुगताई दिनांक 30 जून, 1978 के अपराल्क से निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० प्र०-1/1(539)—राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप के ग्रेड-II के स्थायी अधिकारी श्री आर० ए० बोष को भारतीय दूतावास, वाशिंगटन के पूर्ति स्कन्ध से वापस लौटने पर दिनांक 1-7-78 के पूर्वाल्क से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निवेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के० ग्रेड-I) के रूप में स्थानाप्ना रूप से नियक्त करते हैं।

श्री घोष ने दिनांक 1-7-78 से पूर्ति तथा निपटान निवेशालय, कानपुर में पूर्ति निवेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

सूर्य प्रकाश
उप निवेशक प्रशासन
हृते महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० प्र०-6/247(363)/76-II—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री के० एस० कृष्णामूर्ति जिन्हें दिनांक 18-9-76 की अधिसूचना सं० प्र०-6/247(363)/76-II के अधीन एफ० आर०-56 (जे) के अधीन दिनांक 30-4-76 से सेवानिवृत्त कर दिया गया था, को बहाल करते हैं।

श्री कृष्णामूर्ति ने 31 जुलाई, 1978 के पूर्वाल्क से निरीक्षण निवेशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश
उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० 5876/B 2181(एम० एल० एम०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एम० एल० मित्तल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से दिनांक 19-9-1977 के अपराल्क से मुक्त कर दिया जा रहा है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिंग) में रसायनज्ञ के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिवेशक

आकाशवाणी : महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० 10/89/77S-III—महानिवेशक, आकाशवाणी श्री पश्षोत्तम दास गुप्ता को आकाशवाणी अहमदाबाद में दिनांक 20-7-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानाप्ना रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिवेशक
हृते महानिवेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० 20 (सी-3) 1/61-ए-1 (खंड 2) अपनी निवार्तन की आग्रह प्राप्त होने के परिणामस्वरूप श्री एल० डी० अजमानी राष्ट्रीय अभिलेखागार में प्रशासन अधिकारी की सरकारी सेवा से 31 मई 1978 के अपराह्न से रोवा निवृत्त हुए।

अपठनीय
अभिलेख निदेशक

सूचना एवं प्रसारण भवालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26 दिनांक 25 अगस्त 1978

सं० ए०-24013/18/78-सिवन्दी-I—श्री टी० कृष्णन स्थायी अनुरक्षण अभियन्ता, फिल्म प्रभाग, बम्बई की मन्जूर की हुई छुट्टी समाप्त होने पर श्री बी० व्ही० कृष्णन स्थानापन्न अनुरक्षण अभियन्ता को दिनांक 10-8-1978 के बोपहर से बाद प्रवरण कोटि सहायक अनुरक्षण अभियन्ता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 6/96/54-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के श्री डी० एन० चांदेकर, स्थायी सहायक कैमरामैन और स्थानापन्न कैमरामैन दिनांक 26-8-1978 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हुए।

एम० चन्द्रन नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ए-20012/8/73-प्र० (ए)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशक, श्री जी० कृष्णा राव को विजयवाड़ा स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय में 1-8-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर
उप निवेशक प्रशासन
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशक

भारा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 7 अगस्त 1978

सं० पी० ए०/73 (24)/77 आर०-14—निदेशक, भारा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० बालकुमार कृष्ण को अस्थाई रूप से 6 जुलाई 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक विकिरण औपध केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
उपस्थापना अधिकारी (आर०)

बम्बई-400085 दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० एन/983/मेट/स्थापना 1/3231—निदेशक, भारा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने श्री रमेश राघवेंद्र नंजनगुड़, वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) का सेवा से त्याग-पत्र 25 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम
उप स्थापना अधिकारी
कृते निवेशक

बम्बई-400085, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० सी०/370/चिकित्सा/स्थापना 1/3249—सेवा निवृत्ति की अवस्था होने पर इस केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग की, श्रीमती अलैयकुट्टी चाको, स्थाई मेट्रन दिनांक 30 जून, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई।

सं० डी०/1345/चिकित्सा/स्थापना 1/3251—निदेशक, भारा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने, इसी अनुसन्धान केन्द्र के एक अस्थाई स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० रविकांत गुप्ता का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 28 अगस्त, 1976 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए०/722/चिकित्सा/स्थापना 1/3250—निदेशक, भारा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने श्री रामचन्द्र भगवानदास श्रोता फिजिओथेरापिस्ट का, जो इस अनुसन्धान केन्द्र में अंशकालिक आधार पर थे, सेवा से त्यागपत्र दिनांक 15 सितम्बर, 1976, के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर दिनांक 7 अगस्त 1978

सं० एन० ए० पी० प्र०/प्रशा०/1 (92)/78-एस०/8131—
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता,

श्री एस० कृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी को 18 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के बेतनमान में नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुमार्कर्णी
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

बुलन्दशहर, दिनांक 17 अगस्त 1978

सं० एन० ए० पी० पी० प्रशा०/१ (102)/78/एस०/8533
—नरोरा, परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा के मुख्य परियोजना अभियन्ता डाक एवं तार विभाग के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री के० एस० आर० के० शास्त्री को 11 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960- रूपये के बेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय एवं भंडार निवेशालय

मद्रास-600006, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० एम० आर० पी० य०/200 (9)/78 प्रशा०—क्रय एवं भंडार के निवेशक क्रय एवं भंडार निवेशालय के मद्रास स्थित क्षेत्रीय क्रय यूनिट के स्थानापन्न क्रय सहायक [श्री एन० राजा-गोपालन को 8 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1978 तक के लिए उसी यूनिट में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० रंगचारी
क्रय अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 05000/पी-195/3927—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री विनायक कृष्णा पोदार, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा क्रय एवं भंडार निवेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी को भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में एक अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थाई रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था०/बि/3928—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवचरन हेरमा बिरुदा, स्थायी अधिकारी के लिपिक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा

विभाग, भारी पानी परियोजना (तलचर), के स्थानापन्न उच्च श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में 2 मई, 1978 से 30 जून, 1978 (अपराह्न) तक श्री पी० सी० मैथू, सहायक कार्मिक अधिकारी जो छट्टी पर है, के स्थान पर तदर्थे आधार पर अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टीएपीपी, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० टी०ए०पी०एस०/१/१९ (१)/७६—तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग के मुख्य अधीक्षक, इस बिजलीघर के स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० कवीश्वर को, श्री के० गोपाल, लेखा अधिकारी-II के स्थान पर, जिनकी तदर्थे आधार पर पदोन्नति की गई है, 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से 14 अगस्त, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिए रु० 840-40-1000-द०रो० 40-1200 के बेतनमान में तदर्थे आधार पर लेखा अधिकारी-नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ई (I) 00954—वैधशालाओं के महानिदेशक, श्री वी० सुब्रह्मण्यम को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी) में 30 जून, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री सुब्रह्मण्यम को निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय के अन्तर्गत मौसम कार्यालय, विषाखापत्तनम में तैनात किया गया है।

गुरुमुखराम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
हेते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० ए० 32014/4/76-ई०सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री रणजीत घोष, तकनीकी सहायक को दिनांक 25-2-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक रांचार स्टेशन कलकत्ता में तैनात किया है।

दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री एच० पल० अरोड़ा, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को दिनांक 16-6-78 (पूर्वाल्क) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० ए० 32013/9/77-ई० I—इस विभाग की दिनांक 5-6-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० I के अम में राष्ट्रपति ने श्री पी० आर० चन्द्रशेखर, उपनिदेशक, अनुसंधान एवं विकास की नागर विमानन, विभाग में निवेशक, अनुसंधान तथा विकास के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 2-7-78 से 5-8-78 तक जारी रखने की अनुमति दे दी है।

प्रेम चन्द्र जैन
संशोधनीय (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

इलाहाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 29/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग, मिर्जापुर में तैनात श्री दिनेश चन्द्र बर्मा, प्रशासन अधिकारी, ने अपना कार्यभार श्री जी० एन० श्रीवास्तव, अधीक्षक ग्रुप 'बी' केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, मिर्जापुर को दिनांक 30-6-78 को दोपहर बाद सौप दिया और अपनी सेवा निवृत्ति के समय सरकारी सेवा में मुक्त हो गए।

अमृत लाल नन्दा
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ए-19012/629/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० ए-19012/629/76-प्रशा० पांच, दिनांक 24-7-78 के अनुक्रम में, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, अनिवित सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर श्री एस० आर० शर्मा की तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया अस्थायी आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-8-78 से 30-11-78 की अवधि तक अथवा सहायक निदेशक (प्रकाशन) का पद नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 4 मितम्बर, 1978

सं० ए-32012/9/75-प्रशा० ५—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप-बी) की मिकारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, 2 -256GI/78

श्री आर० ए० ओक, अनुसंधान सहायक को, पदोन्नति पर, जो इस समग्र केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान शाला, पूजे में महायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर है, उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 24 जुलाई, 1978 की पूर्वाल्क से, अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओक सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर 24 जुलाई, 1978 से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा
अवर सचिव

मवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० पी० बी०/जी० जी०/५/विविध/II—श्री सी० सुरेन्द्रन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/शैल डिपो (श्रेणी II) को 21-7-78 से जिला भंडार नियंत्रक के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

आइल और नेचुरल गैस कमीशन, बम्बई में प्रतिनियुक्त श्री टी० एस० कृष्णमूर्ति वहां से लौट आकर सवारी डिब्बा कारखाने के काम पर हाजिर हुए और उन्हें 22-7-78 से स्थानापन्न उप वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (अवर प्रशासनिक) के रूप में तैनात किया गया।

श्री संयद नियमतुल्ला, स्थानापन्न सहायक यात्रिक इंजीनियर/जिग और औजार (श्रेणी II) को 1-8-78 से उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/फर्निषिंग के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न वरिष्ठ लेखा अधिकारी/फर्निषिंग (श्रेणी II) को 4-8-78 के पूर्वाल्क से श्रेणी III सेवा में परावर्तित किया गया।

दक्षिण मध्य रेसवे से स्थानान्तरित होकर श्री वी० कार्मेलस, सहायक यात्रिक इंजीनियर (अवर वेतनमान) मवारी डिब्बा कारखाने के काम पर हाजिर हुए और उन्हें 11-8-78 से सहायक कार्मेलस प्रबन्धक/त्रिनिमाण/जैन (अवर वेतनमान) के रूप में तैनात किया गया।

एस० वेंकट रामन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबन्धक

पूर्ति एवं पुनर्वास मन्त्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य धार्याक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

रायपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० पी० 3/1/78-3014 पी०—इस कार्यालय के अधिकारी सं० पी० 3/1-18077 (पी०) दिनांक 7-6-78 के श्रम में श्री ए० गोपाल राथ को, सहायक अभियंता (वर्ग बी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में, पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन के ड्रिलिंग सब छिवीजन, पत्रालय और जिला बोलांगीर (उड़ीसा) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को 1-4-78 के पूर्वात्मा से 31-3-79 तक की एक वर्ष की और अवधि के लिए या जब तक नियमित पदधारी वापस नहीं आ जाता, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

एत० सत्यमूर्ति,
प्रचालन अभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बोम्बे स्टुडिओस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 3493/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुक्रम में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बोम्बे स्टुडिओस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स सागर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त, 1978

सं० 8296/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स सागर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मीकाज फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 560/1362—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मीकाज फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सनलाईट बैटरीज एंड कारबन्स लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 560/1571—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स सनलाईट बैटरीज एंड कारबन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जै० गो० शास्त्रा

प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और हॉक फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3572—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हॉक फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल

कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि असोका ट्रान्सपोर्ट कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 147/560 (37)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि असोका ट्रान्सपोर्ट कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारडमम प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्मिटी के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 446/560 (5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कारडमम प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्मिटी का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कामेस्वरा चिट फण्ड एंड फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 74/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर “कामेस्वरा चिट फण्ड एंड फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड” का नाम

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० धी० वी० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त 1978
(आयकर)

सं० ईस्ट /जूरी/14/78-79—आयकर आयुक्त विदर्भ, नागपुर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1961 का 43) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा दिनांक 7 अगस्त, 1978 से निम्नलिखित कार्यालय को समाप्त करते हैं।

(1) कार्यालय, आयकर अधिकारी, इस कार्यालय की सी-वार्ड, घन्द्रपुर।

ता० 8-6-78 की
इसी संख्या की अधि-
सूचना के द्वारा
स्थापित।

वी० चिह्नबरस
आयकर आयुक्त, विदर्भ,
नागपुर

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कछाड़

कछाड़, दिनांक 7 जून 1978

निर्देश सं० ए०-१८३/कौ० आर० जे०/७८-७९--यतः,
मुझे, गवर्ट सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० तालुक सं० 15025 338 तालुक फजील है, तथा जो परगना फुसीयार कुल, मीजा बनामाली, करीमगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, करीमगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. (1) श्री प्रान कमाई डे, करीमगंज,
(2) श्री बालाहरि दे, करीमगंज,
(3) श्री दिलीप कुमार दे, 2 और 3 श्री प्रान कनाई दे का पुत्र,
(4) श्री हिरन कोच दे, श्री युक्त परिटोश दे का पुत्र,
(5) श्री सुखामोच दे, श्री युक्त परिटोश दे का पुत्र,
पावर आफ अर्टोनी श्री बलाहरि दे

(अन्तरक)

2. (1) श्री जदुनाथ सेन, स्वाहाय निशी कान्त सेन का पुत्र,
(2) श्री मखान चन्द्र सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र,
(3) श्री प्रबीर कुमार सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र,
(4) श्री सतमा सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र
करीमगंज बाजार, करीमगंज, कछाड़

(अन्तरिती)

को यह मूल्यांकन जारी करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के वर्तने के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोस्त्खानी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इन्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 2226 वर्ग फुट जिसमें एक मकान खड़ा है। मकान के परिमाप 2100 वर्ग फुट जोकि करीमगंज बाजार पूरब, कछाड़ जिला, आसाम में स्थित है।

गवर्ट सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 7-6-1978

मोहर :

प्रसूप प्राइडी० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, विनांक 27 जुलाई 1978

निर्वेश सं० प्राइडी० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/
1070—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरफो) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रोजेक्ट अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ष की उपस्थारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अचान्दि :—

1. श्री किशनलाल लड्डा पुल श्री कानमल लड्डा
निवासी 60, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला एम्प्रीश पाल श्री केसरीचन्द्र जी निवासी
240, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में छोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधिया तक संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पलीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 240, श्री नगर कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल-78-79/
1071—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अधीन तारीख
17-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से कुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उपरामें में सुविधा के लिए।

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रमु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री शिवदयाल पुत्र श्री कडोरे लाल साहू निवासी 26,
साधू नगर, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री किशन लाल पुत्र श्री गुरमुखदास सतवानी निवासी
87, गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के छठाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 87 (पश्चिम भाग), गोपाल बाग कालोनी,
इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978
मोहर :

प्र० श्रीमती चन्द्रप्रभा बाली जी पति श्री गिरधर लाल जी
गोस्वामी 1, साउथ यशवंत गंज, इन्दौर

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निवेश सं० श्राव० ए० सी० एकवी०/भोपाल 78/79/

1072—यत्, मुझे, रा० कु० बाली,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरु अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-1977
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरग से हुई यहाँ प्राप्त को बाबू उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्रप्रभा बाली जी पति श्री गिरधर लाल जी
गोस्वामी 1, साउथ यशवंत गंज, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री सौभाग मल पुत्र श्री जुहार मल जी महता 17,
यशवंत गंज, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एकांत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15 का सामने का भाग, ब्लाक नं० 43, बी
स्ट्रीट नं० 4, स्नेह लता गंज, इन्दौर।

रा० कु० बाली

महायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निदश सं० आई० ए० सी० एकवी०/भोपाल 78/79/
1073—यतः मुझे, रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या लिसी बन या मन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अधार्तः:—

1. श्री गणेश राव जी रेगे, निवासी 42, बल्लभ नगर, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री हरि राम जी भार्गवा वर्तमान निवासी 43, बल्लभ नगर, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी व्यक्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 43, का दक्षिणी भाग, बल्लभ नगर, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रकाश संख्या १०८० पृष्ठा ३—

वायपार अधिनियम, 1901 (1901 का 43) की
बारा 269 व (1) के अधीन सूचना
वायपार अधिकारक

कालांगड़, बाहुदार वायपार आयूक्त (नियोजक)

प्रभाग रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 27 जुलाई 1978

निवेदन सं० आई० ए०सी०ए०क००/ भोपाल ७८-७५/
1974—प्रति, भुजे, रा० कु० बाली,

वायपार अधिनियम, 1901 (1901 का 43) (विषेश इसमें इसके प्रकाश अधिकारक वायपार है), और इसके 269वाँ के अधीन साकान आधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, विवाद के उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० मात्राम् है, तथा जो इन्वीर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायाकल्प, इन्वीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

30-12-1977

को पूर्णता सम्पत्ति के उचित बाबार

मूल्य के बाद के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुसूची की वर्ते हैं और भुजे यह विवाद करने का कारण है कि यहाँ आयूक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया के दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रदृढ़ प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिरी (प्रत्यक्षिरियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा वाया वाया प्रतिक्रिया, विवादित उद्देश्य से उस प्रत्यक्ष के वायावाय नहीं किया जाता है।

(क) व्यापार के हुई किसी बाबा की वायत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बाबारक के बाबिल में करने करने वा उक्त बाबे में सूचिता के लिए; और/वा

(क) देशी किसी बाबा वा किसी दून का घाव आरियों को, विवेच भारतीय वायपार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा बनन-कर अधिनियम, 1952 (1952 का 27) के ब्रोकरार्स अन्वरियों द्वारा इकट्ठ नहीं किया जाता वा या किया जाता जाहिर वा, कियाने में सूचिता के लिए;

वाय, वाय, उक्त अधिनियम की बारा 369 व के अनुसार ले दें, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपवारा; (1) के अधीन विवादित अधिकारी, वायत ।—

3-236 GL/78

1. श्री गणेश शर्म जी, देशी निवासी 43, वल्लभ नगर, इन्वीर। (अन्तरक)
2. श्री गवा ब्रसाद पुत्र श्री हर ब्रजन बस जी, प्रारंभ निवासी 43, लीला तालन, वल्लभ नगर, इन्वीर। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अधीन के लिए कालांगड़ी बताता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के बाबत में जोई जो व्यापे :—

- (क) यह सूचना के उक्तपद में प्रकाश की आवेदन के 44 विवेच की असंधि वा वायावायी अधिकारों पर सूचना की तारीख से 36 विवेच की प्रतिक्रिया, जो की असंधि वाय वे उक्तपद होती है, के भीतर पूर्वोत्तम अधिकारों के किसी असंधि छाप है।
- (क) यह सूचना के उक्तपद में प्रकाश की तारीख से 48 विवेच के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितावह किसी वाय अपेक्षा बाहर, अकोहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जाते रहते हैं।

व्यावहारिक :—इहाँ व्यूक्त जानकारी और दूरी का, जो उक्त अधिनियम के बाबावाय 20-के परिवर्तित है, वही वर्ते होता, जो उक्त प्रबन्धमें दिया जाता है।

अनुसूची

मात्राम् 44 का प्रतिक्रिया भाग, वल्लभ नगर, इन्वीर।

रा० कु० बाली
समान प्राधिकारी
वायपार वायपार आयूक्त (नियोजक)
प्रभाग रेंज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रधान मंत्री व उचित आईटी लैंड एम्परेटर्स

भारत आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
द्वारा २६९-ष (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रधान मंत्री व उचित रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक २७ जुलाई १९७८

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल ७८-७९/
१०७५—यतः मम, राठ कु० बाली,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा २६९-ष के प्रधीन
संकेत प्राधिकारी को यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति 'जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एलाई है तथा जी इन्हीं में स्थित है
(और इससे उपायकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हीं में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के प्रधीन, तारीख
२०-१२-१९७७

को प्रबोचित अमर्ति के उचित आजात मूल्य से कम होने के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है भारत मुक्त विश्वास करने का
कानून है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजात मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती
(अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरपूर्व से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

प्रधान मंत्री व उचित रेज, भोपाल

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरके
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रधान मंत्री व उचित रेज, भोपाल

अन्तरित अनुसूचित अधिनियम की द्वारा २६९-ग के अन्तरण में,
में उक्त अधिनियम की घारा २६९-ष की उपघारा (१) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारि-

त १. ओं विद्या सागर जी हसीजा पुत्र श्री लीला राम जी
हसीजा १९/१, न्यू पलासिया, इन्डौर (अन्तरक)
(अन्तरक)

२. स्टेट बैंक आफ इंडिया, इस्पालाइज अभिनाशा को०
आ० हाऊसिंग सोसायटी लि० द्वारा स्टेट बैंक आफ
इंडिया, जी० पी० ओ० रेसेन्सी रियल इंडिया इन्डिया।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों करता है।

(क) इस सूचना के अंजन के संबंध में कोई भी अस्तित्व।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्त हस्ताभारी के पास लिखित
में किए जा सकते।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्त हस्ताभारी के पास लिखित
में किए जा सकते।

नियम के प्रधायाय २०-क में परिभाषित है अहीं

मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रधान मंत्री व उचित रेज, भोपाल

प्रनुसारी

प्रधान मंत्री व उचित रेज, भोपाल

प्रस्तुप आई० टी० एन० पस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प्र (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कायमिय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भेदाल, किंग्स २३ जून १९७८।

निर्देश सं० श्राविं ए० सी० एक्सी०/भोपाल 7-8-79/
1976—सं० सम० रा० कु० बाली

भ्रामकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत भ्रष्टनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन संसद प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीराजसकी सं० कृष्णभूमि अन्य है, तथा जो शुजालपुर में स्थित है (और) इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से "वर्णित है), "रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शुजालपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908" (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करते कामरण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रश्नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

1287

(ब) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अध्ययनस्थितियों
 को, जिसमें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्ल अधिनियम, या अध्ययन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनाथं अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
 सुनिश्चाके लिए;

卷之三

విషయ పరీక్ష

अतः अब, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अल्लोन निष्पत्तिकृत व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमद्वीक्षिपत्ररचयित्रिभवा पति श्री भेरो सिंह
जी जाठ,
प्रभाग १८ (१९६८) १५८३ अप्रैल १९६८
(2) श्री धारी लाल सुहू, स्व० श्री भेरो सिंह दोनों
निवासी ग्राम ताजपुर गोरी जिला—शुजालपुर
(अन्तरिक्ष)

2. (1) श्री किशोर सिंह पुत्र श्री काणी राम दोनों
(ग्राम निवासी) मुस्लिम देवला जिला—शुजालपुर
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता है।

१०) उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवेचन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर उस सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी

शब्दिक बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसंघ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंत्रजित में हितवाद की गयी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्तकारी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

卷之三十一

Spurzahn (spurzahn) *to spur, to sting, to irritate*

Journal of Testimony in Court Cases, 1770-1870

卷之三

कृषि भूमि 9.616 हेक्टेयर सर्वे नं 69 साथ पक्षा
कुंग्रा, 5 हार्से पावर का मोटर पम्प विद्युत कनेक्शन व 10
प्राम के पेड़ 40 संतरे के पेड़ स्थित ग्राम ताजपुर गोरी जिला—
जुलालपुर

अर्जन रेज, भोपाल

प्रकल्प नं. ३०० लो. ३०० ऐस०—

आवकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की आदा

२६९८(१) के अनुच्छेद ३००

भारत बहस्तार

सम्बोधन, सहायक आवकर वायव्य (विविध)

ग्रन्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक २७ जुलाई १९७८

निवेश सं० ग्राहि० ए० सी० एक्च०/भोपाल ७८-७९/
१९७७—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,
आवकर अधिनियम, ४३१ (१९६१ का ४३) (विवेद इसके
पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की आदा २६९८-वा के अधीन
संघम अधिकारी को वह विवाद करने का कारण है कि इवाचर
सम्बन्धि, जिसका उचित वाजार भूमि २५,०००/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० हुणि भूमि है तथा जो

ग्रामीण-बैतूल में स्थित है (अब इससे उपाखण्ड अमृता में
प्रीति पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काविधिय
बैतूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६)
के अधीन, तारीख २-१-१९७७

को दूर्घात सम्बन्धि के उचित वाजार भूमि से क्य के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और मुझे वह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित वाजार भूमि,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, एवं दृश्यमान प्रतिक्रिया का परम्परागत
से अनिक है प्रोट अवारक (वालास्टो) और अन्तरिती (वालस्टरितो)
के जीव सौन्दर्य के लिए तब याक याक प्रतिक्रिया निष्पत्ति
दृश्य से उक्त अवारक विवित में वालस्टरित कर के कावित नहीं
किया जाया है:—

(क) अवारक से हुई दिली धार की वादत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के अनिय
में कठी करने वा अवारे वरने वे दूषिता के लिए;
और/या

(ब) ऐसी दिली धार वा कठी धार वा अन्य अस्तित्वों वा,
विवेद भारतीय आवकर अधिनियम, १९२२ (१९२२
का ११) वा उक्त अधिनियम, वा आवकर अधिनियम,
१९५७ (१९५७ का २७) के द्वावनार्थ अवारिती
हारे प्रकट नहीं किया जाया वा या किया जाना
आवृत्त वा, जिसने वे दूषिता के लिए;

प्रतः वह, उक्त अधिनियम की आदा २६९८-वा के अनुरूप वे,
उक्त अधिनियम की आदा २६९८-वा के अन्वारा (१) के कठी
विवादित अस्तित्वों वाले।—

१. श्री ग्राहि चूमार पुत्र श्री मुरली धर वायव्य निवासी
बैतूल बाजार, बैतूल। (प्रस्ताव)
२. श्री सरलवती प्रसाद पुत्र श्री किलोरी माल महतो
निवासी बैतूल बाजार, बैतूल। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्बन्धि के प्रवृत्ति के लिए
काविधियां करता है।

उक्त सम्बन्धि के विवेद के सम्बन्ध में कोई वी आलोचना:—

- (क) इस सूचना के राजस्व में अकालन की जारीति से ४५
दिन की अवधि, या तारसम्बन्धि अस्तित्वों पर
सूचना की जारीति से ३० दिन की अवधि, यो और
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के दीर्घ पूर्वान्तर
अस्तित्वों में से किसी अस्तित्व द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में अकालन की जारीति से ४५
दिन के अधीन उक्त अवारक सम्बन्धि में दूषिता
दिली धार अस्तित्व उक्त अवारक सम्बन्धि के वाल
विवित में किए जा सकेंगे।

तारीख:—इसमें व्युक्त वालों द्वारा यांत्रिक २०-क में परिवर्तित
की जानी यांत्रिक २०-क में दिली धार
की वाल अस्तित्व उक्त अवारक सम्बन्धि के वाल
विवित में किए जा सकेंगे।

दृष्टिकोण

हुणि भूमि लोकपाल ३.२३७ हेक्टेकर्ट सवाराम ४६५/१
माम आवृत्त वह० वा जिला बैतूल।

रा० कु० बाली
सम्बन्धि प्राधिकारी,
सहायक आवकर वायव्य (विविध),
मर्वीन रेंज, भोपाल

तारीख: २७-७-१९७८
मोहर :

संक्षेप प्राप्ति—टी.एस.डब्ल्यू.डब्ल्यू.---

भारत अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४८) की आदा
२००४ (४) के संबोध सूचना
भारत वार्तालाल

कार्यालय, सहायक वायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

प्रजन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक २७ जुलाई १९७८

निदेश सं० आई० ए० सी० एकी०/भोपाल ७८-७९/
१९७८—प्रतः, मुमे, रा० कु० बाली,

वायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा जाता है), की
आदा २००४ के संबोध वायकर व्याविकारी को वह विवाह
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
कूप २५,०००/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख
१३-१-१९७८

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दृष्टव्यमान
प्रतिकाल के लिए प्रत्यक्षित की जाई है और मुझे वह विवाह
करने का कारण है कि बहानूलौकत सम्पत्ति का उचित
बाजार भूमि, उसके दृष्टव्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृष्टव्यमान
प्रतिकाल का बहुत प्रतिकाल से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया जाना प्रतिकाल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया जाता है।—

(क) बायकर के हुई किसी बात की बात उक्त
अधिनियम, के संबोध कर देने के वायकर के
वायिक में कमी करने वा उक्त बातें में तुषिका
के लिए; और

(क) ऐसी किसी बात या किसी बात या घट्ट व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, वा
उत्तर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के अधीनवाली अन्तरिक्षी आदा उक्त नहीं किया
जाना जा जा किया जाना चाहिए वा, जिसमें
में तुषिका के लिए;

उत्तर: उत्तर अधिनियम की आदा २००४ के
उक्तव्यकरण में, वे, उत्तर अधिनियम की आदा २००४ की
उक्तव्यकरण (१) के संबोध निम्नलिखित व्यक्तियों, वाले—

1. (1) श्री एहसान मोहम्मद,
 - (2) श्री हकीम मोहम्मद,
 - (3) श्री मनुल हकीम सभी पुत्र श्री फतेह मोहम्मद,
 - (4) श्रीमती कमल नीसा विधवा पति श्री फतेह
मोहम्मद द्वारा पावर आफ एटनी श्री करीम
मोहम्मद सभी निवासी छीपा बाजल इन्दौर।
- (अन्तरक)

2. (1) श्री इकलाहार हुसैन
- (2) श्री रियाजहुसैन दोनों पुत्र श्री फैजाज हुसैन
भाई कागड़ी निवासी २४, कागड़ी पुरा, इन्दौर
(मनतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वायन के
लिए कार्यवाहिकों कालता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वायन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ब्रकालन की तारीख
से ४५ दिन की अवधि वा तत्त्वावृत्ति अवैत्यों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वाराम;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में ब्रकालन की तारीख से
५८ दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्धि किसी घण्ट व्यक्ति आदा, बहौद्दस्ताजारी
के बास लिखित में किये जा सकें।

लक्षणीयरत्न :—इसमें अनुसूची और वर्णन का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत २०४ के विवरणित
है, वही वर्णन होता, जो उस व्यावर में दिया
जाता है।

अनुसूची

मकान नं० १०१ का वक्षिणी भाग (दुकान) एम० टी०
व्यावर मार्केट, इन्दौर।

रा० कु० बाली

व्यावर वायकर प्राप्ति (निरीक्षण),

प्रजन रेज, भोपाल

तारीख : २७-७-१९७८

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस० ——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्षी०/भोपाल 78-79/
1079—यते, मुझे, रा० कु० बाली,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सूखी भूमि है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इसमें इमारत अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा प्रत्यक्ष प्रतिशत से धनिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

१) अधिकारी प्रभु निर्माण सहकारीसमिति मर्यादित, गवालियर (मुख्यमंत्री का नाम नहीं दिया गया है) (गवालियर)

2. श्री प्ररुदिनी सिंह पुस्तकालय ठाकुर सीकेन्द्र सिंह निवासी देव गढ़ कोठी, कम्प, सप्तकार।

३३ अन्तरिती

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के व्यर्जन के संबंध में कोई सी ग्राहकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सुरक्षा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित तारीख के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्रिया
नियम के अध्याय २०-के में परिभ्राषित हैं।
वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में लिखा गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत़ उक्त अधिनियम, के प्रभावीन कर देने के अन्तररक्त के शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रध्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किसी जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतिवर्षीय उपकरण की भारा 269-ग के पन्ने सरलीकूर्में से, उपकरण की भारा 269-ए की उपकारा

(1) ने, अप्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टातः—

અનુસૂચી

खुली भूमि, जय विलास पैलेस कम्प्यूटर्ड, सास्कर (धोका-फल 40,000 वर्ग फुट)।

राम कुमार बाली
संक्षेप प्राधिकारी
सहायक प्राधिकार प्राधिकारी (निरीक्षण)
प्रजन रेज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मीठर :

प्रायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सच्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

* निर्देश सं० आर० ए० सी० एकवी०/भोपाल ७८-७९/
१०८०—यसका मुझे प्रतीकृत कराया गया।

प्राप्तिकर्ता अधिनियम, १९६१^१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके 'विषयात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है।

अमीर-जिसकी सं० कृषि भूमि अव्य है, तथा जो दिघे बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1-1978

का प्रवर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकीता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्धाह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रमस्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रमतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नस्थित उद्देश्य से उक्त भ्रमतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(६) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पाए उसमें बचने में सुविधा के लिए उपयोग पाया जाएगा।

(क) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के द्वारा प्रयोजितार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की आरा 268-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, पर्याप्ति:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकी करता है।

(क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्सम्बद्धी अविक्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त अविक्तयों में से किसी अविक्त द्वारा;

(प्र) इम सूचना के रजतपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेश्वसाक्षरी के पास के लिखित में किए जा सकते। इसमें अपने अधिकारों का विवरण दिया जाता है—इसमें प्रथम शब्दों और शब्दों काम जो अत्यधीन हैं, अधिनियम के अध्यात्म 20 के पदा-पद्धतिगत हैं; वही अर्थ होगा—जो उस अधीन में विद्या गम है।

अद्यता

कृषि भूमि ग्राम छिथी तह ० बुरहानपुर, नया नं० 87,
 13. 90 एकड़, 5-625 हेक्टेयर, क्राप, पेड़, मोटर पम्प व
 कुप्री १२ अक्षर ३५ लाख ३०० रुपये वाली बाली सेवन विकल्प
 का विवरण आवश्यक नहीं। इसका विवरण निचे दिया गया।
 इसका नाम बुरहानपुर अस्सी रुपये ३०० रुपये ३००।
 इसका विवरण आवश्यक नहीं। इसका विवरण निचे दिया गया।
 इसका विवरण आवश्यक नहीं। इसका विवरण निचे दिया गया।
 इसका विवरण आवश्यक नहीं। इसका विवरण निचे दिया गया।

तारीख : 27-7-78 अंकुर नाम से ज्ञात है।

मराठा लाईं दीप एवं एसॉ—

१. वीनती गीती की जाता

(अस्तारक)

धारकर प्रविन्दम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र(1) के प्रतीन सूचना

2. डॉक्टर मीरान साहिब

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक माध्यकर वादपत्र (पिरीवाल)

को यह सूचना आरी करके पूछतांत्रिक सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यदातिता दर्शाता है।

कार्यक्रम रेज, एफडीसीसी कामतिलवा
कोल्डीन-15, दिनांक 1 अगस्त 1978

उक्त सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप—

निर्देश सं० एस० सी० 201/78-79—यसः, मुझे,
पी० ओ० जोर्ज,

(क) इस सम्बन्ध के अधीन ने प्रकल्पात्मकी तारीखों को 45

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 260-वां के धर्मीय संबंध प्राप्तिकारी को, वह विचारात् फरमे का लाभ है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- दूर से अधिक है।

(क) इस सूचना के अनुसार ने प्रबलग्रहण की तारीख से 45 दिन की अवधि तक तापमात्राएँ व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तिगत में समाप्त होती हो, के लिए पूर्णत व्यक्तिगत से किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रीर जिसकी सं० अनुसूची के प्रस्तुता है, तथा जो पेलम्बावूर में स्थित है (प्रीर इससे उपरवाद अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से अलग है), रजिस्ट्रीकरण भविकारी के कार्यालय, पेलम्बावूर में रजिस्ट्रीकरण भविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-12-1977

(क) इस सूचना के राजपत्र में ब्राकास्टर की तादीक के 46 दिन के भीड़व उत्तर स्पालियर समिति के द्वितीय बिहार अस्थ व्यक्ति छाया, उत्तरस्पालियर के पात्र विविध में किसी जा जाए।

हो पूर्वोत्तर सम्पर्क के उचित बाबार मृत्यु से कम के दृष्टव्यान प्रतिष्ठान के लिए धन्तारिती की नहीं है परं यह वह विस्तास करने का कारण है कि अक्षयपूर्वोत्तर सम्पर्क कम उचित बाबार मृत्यु, उसके दृष्टव्यान प्रतिष्ठान के, ऐसे दृष्टव्यान इतिहास का फल है प्रविश्वत से अधिक है परं और धन्तारक (धन्तारकों) और धन्तारिती (धन्तारितियों) के बीच देख इत्तरण के लिये उन चारों गण इतिहास, भिन्नभिन्नत लोकों से जनत इत्तरण लियित में वारतविक रूप से लिया नहीं लिया जाता है:-

स्वास्थ्यकरण :—इसमें प्रदूषक गैसों और पर्फॉ का, जो उत्तर दिल्लीनगर के सद्व्याप 20-के बे परिषिक्त है, वही पर्फॉ होता, जो इस स्वास्थ्यव में दिया जाया है।

(क) अमरारथ के हुई शिवी धार्म की वापसी करत विद्युति-
विद्यम के प्रभाव कर देने के प्रभारारथ के वापसी
में कमी करने वा उत्तरो बढ़ने में दुष्कृति के लिए;
शोधना

20

पेंडम्बादूर रजिस्ट्री अधिकारी से पंचायत वस्ताविष में
3575/1977 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

(ब) ऐसी किसी घाव या किसी बग या पथ्य प्रतिक्रियाओं को, जिन्हें भारतीय धायकर धरियिदम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धरियिदम या बन-कर धरियिदम, 1957 (1957 का 27) के अवोलनार्थ एकत्रिती द्वारा ब्रकट गहीं किया दया था, या किया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा के लिये ।

३००

संस्कृत शास्त्रियां

सहायक आमकर यात्रुक (मिरीताप्त)

परः यद, उक्त विविदम् की बारा २६७-न के अनुसार
में, ये, उक्त विविदम् की बारा २६७-व की अनुसारा (१)
के अन्तिम विविदविविद व्यवस्थाओं, वर्णत् ।—

तारीख : १-७-१९७६

३

प्रकृष्ट प्राईटी एनो एसो—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

तारीख, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, एण्डकुलम

कोशीन-15, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं. एल० सी० 202/78-79—यतः, मुझे
पी० धो० जोर्ज,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सम्बन्ध में विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो पहले में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पहले में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 13-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्ष (प्रन्तरकों) और प्रस्तुतियों (प्रस्तुतियों)
की जौ ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष किंवित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथातः—
4-256GI/78

1. श्री मधुसूदनन

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती काम्ययिनी

(प्रन्तरक)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के पंद्रह में होई भी प्राप्तें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तानकी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रथाय 20क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रथाय में हिया
गया है।

अनुसूची

पहले रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज न०
3844/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

पी० धो० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, एण्डकुलम

तारीख : 1-7-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०---

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-5, दिनांक 15 जून 1978

निर्वेश सं० सी० ए० 5/नासिक/मार्च 78/350—ग्रन्थ;
मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के ग्रन्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है।

और जिसकी सं० सी० ए० क० 1055-ए है, तथा जो नासिक
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राम्यकारी के कार्यालय, नासिक में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन,
तारीख 1-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए गन्तव्यत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत ग्रन्थिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(प्रस्तुतियों) के बीच तेसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति-
हत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के ग्रन्थीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आर्थितयों
को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. (1) श्री दत्तात्रेय दामोदर मांडवगणे,
- (2) श्रीमती सीताबाई दामोदर मांडवगणे,
- (3) श्री विजय कुमार दत्तात्रेय मांडवगणे,
- (4) श्री प्रदीप दत्तात्रेय मांडवगणे,
- (5) श्री मिलिद दत्तात्रेय मांडवगणे—सभी रहने
वाले डोनिवली जिंठा ठाणे।

(अन्तरक)

- 1 (1) श्री श्रीबादास मातंडसेठ जगदाने,
- (2) श्री नारायण मातंडसेठ जगदाने—1852,
जुनो तांभट गली, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त पंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी० एस० नं० 1055 -ए०, नासिक, तीन मंडीलालाली
हमारत क्षेत्रफल:—158. 9 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० सं० 278 दिनांक 1-3-1978
को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवाणी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना

ग्रन्थ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा
(1) के ग्रन्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

तारीख : 15-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
268 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, विंशठ 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 5969/डी० ई० सी०/77—यतः मुझे,
के० पोशन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36/1 माऊन्ट रोड मद्रास-32, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथामान प्रतिफल से, ऐसे बृथामान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसा आय या किसा धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे उक्त अधिनियम की धारा 268-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० माणीकम (अन्तरक)

2. श्री टी० पालपन और आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्षिप्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ दोगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, माऊन्ट रोड डोर सं० 36/1 (टी० एस० सं० 9/1) में मकान और भूमि। (पत्र सं० 894/77)।

के० पोशन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-8-1978
मोहर :

प्र० प्र० प्र० दी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4569/डी० ई० सी०/77—यतः, मुझे के०
पोषन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 242एच०, 6 स्ट्रीट, गान्धीपुरम है, तथा
जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गान्धीपुरम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार संरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कौ० सरोजा और प्रादि (प्रस्तरक)

2. श्री ठी० एस० मारमन (प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवान्त्रियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के नियम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परि-
मापित हैं वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय
में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बत्तूर, गान्धीपुरम एक्सटेंशन 6, स्ट्रीट डोर सं०
242 एच० में भूमि (मकान के साथ)।

के० पोषन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई• टी० एन० एस०

1. श्रीमती के० सरोजा भाई प्राधि (प्रस्तरक)
 2. श्रीमती रंगामयकी (प्रस्तरिका)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4569/डी० हॉ सी०/77—यत्, मुझे, के०
पोषन,

प्रायकर भवित्वियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भवित्वियम्' कहा गया है), की धारा 269-का
के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी संटी० एस० सं० 11/1259/8, गणपति गांव है, तथा जो कोयम्बत्तूर जिला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्याहरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (भस्तरकों) और प्रस्तरिसी (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अम्लरग से हुई किसी प्राय की बावत, उसका अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी माया कि सी धन या मरम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सविष्ठा के लिए;

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रजन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी भास्त्र :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत्व से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घटोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों वा, जो उन्न
प्रधिनियम, के प्रधाराय 20-क में परिमाणित
हैं, वही प्रथं होगा जो उस प्रधाराय में दिया
गया है।

अन्त संक्षी

कोयम्बत्तूर, गणपति गांव, ई० एस० सं० 11/1259/8
 (पत्र सं० 1220/77) में भूमि (मकान के साथ)।

के० पोष्टन
संक्षम प्राधिकारी

अतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरके में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मप्राप्त-600006 चिनांक 17 अगस्त 1978
निर्देश सं० 4568/टी०इ० सी०/51—यतः मुझे, को०
पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 13/28, 29, 29-ए (टी० एस० सं० 11/
1267/41) है, तथा जो गणपति गांव में स्थित (और इससे
उत्तरवर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड
अधिकारी के कार्यालय, गान्धीपुरम कोयम्बतूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रभालू :—

1. श्री एम० सेलवराज (अन्तरक)
2. श्रीमती एम० सुगुणा देवी (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाराय 20क मे परिभाषित हैं, वही
अर्थ देगा जो उग प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर गणपति गांव डोर सं० 13/28, 29, 29-ए
और टी० एस० 11/1267/41 में भूमि और मकान (पत्र
सं० 1211/77)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978
मोहर

प्रकृष्ट पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्वेश सं० 4571/दिसम्बर/77—यतः, मुझे के० पोशन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन राजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 91 सी०, अलगेसन है, तथा जो रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपब्रह्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम 'डाकुमेण्ट 1230/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से करने के वृद्धमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके इशारान प्रतिफल में, ऐसे व्यवहारन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने वाले सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आर या फिसी वन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय प्राय-हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, ग्रहीत :—

1. श्री पी० शंभुगुप्तदम, पी० बालकृष्णन और पी० रामलिकम

(अन्तरक)

2. श्री एन० एन० ग्राम० एम० रत्नेन आचि
(अन्तरिती)

मोरुक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त ग्राहित के अर्जन के लिए जारीकरिया करता हूँ।

उक्त समाप्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त जारीकरण की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यस्थी अवित्यों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में माप्त होनी वो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मन्त्रूली

कोयम्बत्तूर, अलगेसन रोड, डोर सं० 91 सी०, टी० एस०-12/238, नारायणसामि ले अड्ड, हाउस सैट सं० 6 में 9 सेट और 380 स्कुयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोशन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

1. श्री सूरलिमीया चेह्टि

(प्रस्तुतकर्ता)

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
268-प्र(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

2. सी फिल्मिंजन मिशन संबींस प्राइवेट लिमिटेड

(प्रत्यक्षिती)

प्रज्ञन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निवेश सं० 5979/दिसम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोषन,
धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
268-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी सं० 433, पूनमलि है रोड, मद्रास -10 में स्थित
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० II, मद्रास
नार्ट (डाकुमेण्ट 3733) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृ
प्रतिशत से अधिक है और यह प्रत्यक्षरक (प्रस्तुतकर्ता) और प्रन्तरिती
(प्रत्यक्षिती) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्ष के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्ष के प्रत्यक्ष में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

इन्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रत्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उस प्रत्याय
में दिया गया है।

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी घम या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मद्रास-10, पूनमलि है रोड, शेर सं० 433

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, मद्रास

प्रतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 268-प्र के
प्रनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 268-प्र की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवादित:—

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्राकृप भाई० टी० एन० एस०

1. श्री बी० एम० लम्बि

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० वि० कम्बन नायर

(अस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 5987/दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोषन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० 7/1, विशप वालसं एवन्यु ईस्ट, मैलापुर, मद्रास-14
में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेण्ट
1154/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठान से
अधिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और (प्रस्तरिती)
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाज में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अवक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रतरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मद्रास, मैलापुर, पिहाम वालसं एवन्यु, ईस्ट ओर सं० 7/1।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रकृतरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

5-256GI/78

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एम०एस०-----

1. श्रीमती पलनि अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 8073-दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोशन प्रायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रामदास तियेटर, सुकुवार्चनाम, श्रीपेरम्बुट्टर तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीपेरम्बुट्टर 'डाकुमेण्ट' 1665/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

2. श्री सी० पूँकावन मुदलियार

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्विरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

चेंकलपेट जिला, श्रीपेरम्बुट्टर तालुका, सुकुवार्चनाम, में रामदास तियेटर।

के० पोशन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-8-78

मोहर :

ग्रन्ति: यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन. एस. —————

1. श्रीमती एस. मैनावति

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के प्रधीन सूचना

2. श्रीमती उगम देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त, 1978

निदेश सं. 5958/दिसम्बर/77—यस: मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है
और जिसकी सं. 106, लाइडस रोड, मद्रास-86 में स्थित है
(और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर 'मद्रास' 'डाकुमेण्ट
1093/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 10-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बहुत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थातः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी
अवक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
ग्राम्य अवक्ति द्वारा अस्त्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 86, लाइडस रोड, सं. 106 में 2.42 ग्राउण्ड (मकान
के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17-8-78
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त, 1978

निवेद सं० 6000/दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोष्टन
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 5 और 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड़,
मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर
मद्रास 'डाकुमेण्ट' 975/77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वादत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिळनाउक्करस;
टी० गोपिन्दसामि (अन्तरिती)

2. श्री एम० आनन्दन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रछ्याय 20क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रछ्याय में दिया
गया है ।

अमुसूची

मद्रास 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड़, प्लाट सं० 5 और 6,
ले आउट 9/74, खाली भूमि में 3/10 अभिन्न भाग ।

के० पोष्टन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त(निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख : 17-8-1978
मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास,

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 6001/दिसम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरा फ्लोर में 723 स्क्युयर फीट, प्लाट सं०
13 है, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपायद्वा०
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय टी० नगर 'मद्रास' डाकुमेण्ट 978/77 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पवरह प्रतिष्ठत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनातकरसु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि। (अन्तरक)

2. श्री के० पी० हाजा मोहैदीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है
वही ग्रन्थ द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

3 ग्राउण्ड और 169 स्केयर फीट में 1/25 अभिश्व भाग और
तीसरा फ्लोर में 723 स्केयर फीट (प्लाट सं० 13है, ले 9/74, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 17-1-1978

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, पमद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निवेद सं० 5993/दिसम्पर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 5 और 6 ग्रीम्स रोड़,

मद्रास-6 में स्थित है (और इस उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० I सैंकेट 'डाकुमेण्ट 608/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाधत उक्त अधिनियम के प्रधीन करने के प्रतिरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय की धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत् :—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर ; एम० तिरुनाउकरसु; एम० आनन्दन और टी० गोविन्दासामि (अन्तरिक)
2. श्रीमती आर० कामाकिश; ललिता विश्वेस्वरन; रादा कुपुस्थामि और श्री आर० कुपुस्थामि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20ज में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, प्लाट सं० 5 और 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड़, मैं ग्राउण्ड फ्लोर में 3621 स्क्यूयर फीट और 7 ग्राउण्ड और 1435 स्केयर फीट में 1/10 अधिक भाग।

के० पोन्नन;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख : 17 अगस्त 1978

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निकीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरान 90 से 92 है तथा जो तह० सिवाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भवानी एग्रीकल्चरल फार्म प्राइवेट लिमिटेड, पोकरन हाउस, पी० डब्ल्य० डी० रोड़, द्वारा निर्देशक श्री विक्रम सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री भवानीसिंह चांथावत, जोधपुर (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र श्री बदरमल द्वारा बास्त्रे सिल्क हाउस, तिम्सामचेरला, गुन्टकल (आन्ध्र प्रदेश) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टव्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम खरांटिया तहसील सिवाना जिला बाढ़मेर में स्थित खसरा नं० 90 से 92 की कृषि भूमि में तीसरा हिस्सा, जो उप पंजियक, सिवाना, जिला बाढ़मेर द्वारा क्रम सं० 437 दिनांक 3-12-1977 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निकीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 22-8-1978

मोहर:

प्र० प्र० प्र० एन० एस०-

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० प्रा० अर्जन—यतः मुझे, एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० खसरा नं० 90 से 92 तथा जो तह० सिवाना में स्थित है, (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भवानी एग्रीकल्चरल फार्म प्राइवेट लिमिटेड,
पोकरन, हाउस, पी०डल्यू० रोड, जोधपुर द्वारा ऑयरेक्टर
श्री विक्रम मिह पुत्र स्व० श्री भवानी मिह चौपालता,
जोधपुर
(अन्तरिती)

2. श्री केसरोमल पुत्र सिरेमल निवासी समदड़ी तहसील
सिवाना जिला बाढ़मेर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्रः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खंराटिया ग्राम सिवाना तहसील में स्थित खसरा नं० 90 से 92 की कृषि भूमि में तीसरा भाग जो उप पंजीयक सिवाना द्वारा कम सं० 435 दिनांक 3-12-77 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

पांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० पी०
वशिष्ठ आयकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 90 से 92 है तथा जो तहसील सिवाना में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविनाय, अर्थात्:—

6—256GI/78

1. श्री भवानी एश्रीकल्चरल कार्म प्राइवेट लिमिटेड, पोकरन हाउस, पी० डब्ल्यू० डी० रोड, जोधपुर द्वारा निदेशक श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व० श्री भवानी सिंह, चांपावत, जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्री जवरी लाल पुत्र कानराज द्वारा मैसर्स ओकलन्द मनीराम नेहरू मारकेट, बिजापुर (मैसूर)। (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यान्वयितावालों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में होई भी आशंका:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डनीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही घर्य होगा, आ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम खैरातियां तहसील सिवाना जिला बाढ़मेर में स्थित सम्पत्ति कृषि भूमि खसरा नं० 90, 91, 92 का एक तिहाई भाग जो उप पंजियक सिवाना द्वारा क्रम सं० 436 दिनांक 3-12-77 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 22-8-78
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 सितम्बर 1978

निदेश सं० जीआरजी/21/77-78—अतः मुझे, ई० के० जोशी सहायक ग्रामकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 14 महरोली रोड है तथा जो गुडगांव छावनी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती शमशेर चौधरी पुत्री श्री रामसरूप निवासी करोल बाग बजरीय परमेश्वरी देवी। (अन्तरक)
2. श्रीमती सुदेश अरोड़ा, पत्नी मदन लाल अरोड़ा निवासी विनाचिंडी दुरगा पुर-13 पश्चिम बंगाल। (अन्तरिती)
3. लेबर आफिसर, लेबर डिपार्टमेंट कोठी नं० 14, अरोड़ा भवन महरोली रोड, गुडगांव छावनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 14 स्थित महरोली रोड, गुडगांव छावनी "सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 2826 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुडगांव के कार्यालय में 28-12-1977 को लिखी गई"।

ई० के० जोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-9-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश सं० एस० पी० टी०/३०/७७-७८—अतः मुझे ई० के० कोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि जिसका रकमा 14 कनाल 15 मरले हैं तथा जी० टी० रोड़ ग्राम कुन्डली में तहसील सोनीपत में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं भारत रखड़ तथा अलाईड हॉटस्ट्रीज रजिस्टर्ड, कपूरथला (पंजाब)। (अन्तरक)
2. मैं एच० एल० टैक्स्टाईल मिल्ज हैड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए यांत्रिकीयां करता हूँ।

अत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रयोग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकमा 14 कनाल 15 मरले और जिसकी सं० खेत नं० 63, मिन० खाता नं० 137, किला नं० 43/22 22/7-4' 22/1-11 और जोकि जी० टी० रोड़, ग्राम कुन्डली में स्थित है।

(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3709 तिथि 27-12-1977 पर दर्ज है)

ई० के० कोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-9-1978

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अगस्त 1978

निर्देश सं० एसि-25/प्रजन-रेज-IV /कल०/78-79--

अतः मुझे, आई० वि० एस० जुनेजा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है मे प्रधिक है

और जिसकी सं० होल्डी सं० 356 तथा 357 है तथा जो चन्दन नगर, हुगली में स्थित है (और जिसके उपर्युक्त अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1977 को

पर्वाइट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीप ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त प्रधिनियम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा निया आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वक्तः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों अवाहृत ।—

1. मैसर्स ज्योति (चन्दन नगर) प्रा० लि० (अन्तरक)
2. अजय कुमार रक्सित, मिहिर कुमार रक्सित, समीर कुमार रक्सित प्रबीर कुमार रक्सित (अन्तरिती)
3. 1. श्यामापद चैटर्जी, 2. डा० के० एम० दास, 3. डा० के० एम० दास, 4. एन० सुर, 4. तापस बनार्जी सोभारानी बनार्जी, 6. सुबोध के० दास, 7. सुबोध के० दास, 8. सरोज के० मन्डल, 9. रमाधर, 10. दिलीप के० दत्त, 11. राम नारायण भवत, 12. तारापद दास, 13. डा० भुपात सरकार, 14. कार्तिक चन्द्र पोले, 15. एच० वि० चत्रवर्ती, 16. सुनील के० नियोगी, 17. डा० के० एम० दास, 18. डा० आर० एम० घोष (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 विधा 3 कट्टा 10 छाटांक जमीन साथ अंशत एक मंजिला, दो मंजिला, तिन मंजिला मकान साथ मीन तथा फनिवर समेत ज्योति सिनेमा नामकि चित्रगृह, पौरनिगम होल्डी सं० 356 तथा 357, जिला हुगली जैसे के दलिल सं० 5546, दिट्टोक 5-12-77 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० वि० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 3-8-1978

मोहर :

प्रलेप प्राइंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1978

निर्देश सं० एमि-27/अर्जन रेंज-IV /कल०/78-79—अतः

मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6ए है तथा जो रथधाट लेन, श्रीरामपुर में स्थित
है (और इसके उपावड़ ग्रनुगुचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर से रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

3-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मानसी चक्रवर्ती तथा श्रीमती मधुलेखा गोस्वामी
(अन्तरक)

2. छवि रानी बट्टाचार्या, सभीरन बट्टाचार्या, सुमना बट्टाचार्या
सब के सब तारा इन्जीनियरिंग कम्पनी के मालिक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6ए, रथ घाट लेन, श्रीरामपुर, जिला हुगली के 10 कट्टा
8 एटोंक 16 स्केयर फीट जमीन तथा उस पर स्थित स्ट्राक्चर
जैसे कि दलिल सं० 3316 दिनांक 3-12-1977 में और पूर्ण
रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 18-8-1978

मोहर :

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 5 अगस्त 1978

निर्देश सं० 219/78-79/अर्जेन—यतः मुझे डि० सी०

राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7-3-40 है, जो दुरगापुर, बीदर में
स्थित है, और इससे उपबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीदर अंडर^र
डाकुमेंट नं० 1932/77-78 से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-77
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी बत या अन्य प्राप्तियों
को जिस्ते भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री करुणानिधि पिता अबदुल सत्तार साहेब बीदर
(अन्तरक)
2. श्रीमती सलीमुनिया बेगम पिता मोहम्मद इसमाइल साहेब
होल्डर आफ अटानि श्री मोहम्मद यूसफ अहमद नं० 7-4-3,
दुरगापुर बीदर
(अन्तरिती)
3. श्री भगवत् सिंह एजुकेशन कालिज बांज होस्टल बीदर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर याने मकान का संख्या 7-3-40 दुर्गापुर के यहां है।
बीदर।

डॉ० सी० राजगोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज, धारवाड़

तारीख : 5-8-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 4 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 227/78-79/अर्जन—यतः मुझे, डी० सी०

राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 244 और 345 और डोर नं०
206/1, 206/2 है, जो भटकल में स्थित है (और इससे उपावड्ह
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय डोश्वावर अंडर डाकुमेंट नं० 464/77-78 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
4-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की बारा 269 अ (1) के
अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

1. सहीक मोहम्मद सयद पिता उमर सहिब, नवायत कौलनि
सुसगड़ी, भटकल (प्रन्तरक)

2. श्रीमती वसरोम बानू पत्नी श्री जलहा मोहेश्याम नवायत
कौलनि भटकल जिं पो० ए० हालडर, श्री मोहम्मद
सूसाब हासन मोहेश्याम, डाक घर नं० 4007, दुर्बई।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकानों और खुला स्थान संख्या 244 और 245 दूर नं०
206/1 और 206/2, नवायत कौलनि के यहाँ है। एकत्र स्थान
20 गुणांश है। भटकल नाये केनरा।

श्री० सी० राजगोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटडा

तारीख : 4-9-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निश्चिक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त, 1978

नं० 113/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8/75/1 जी० पी० रास्ता हृजुराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुराबाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) निम्नलिखित अक्षितयों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्रीमती कुनदारकलशममा पति गोप्या जमीकुनटा हृजुराबाद तालुक करीमतगर जिला।
(अन्तरक)

2. श्रीमती तनरीडा पुण्यपन्ता पति डाक्टर टी०-अनननदराज वेमुलाबाडा, सीरसीला, करीमतगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धर नं० 8/75/1 जी० पी० रास्ता-हृजुराबाद बीस्टेन 822 वर्ग गज-हृजुराबाद करीमतगर-जिला-दस्तावेज नं० 5182/77 हृजुराबाद कार्यालय।

के० एस० वेकटरामन
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निश्चिक्षण),
आयकर अधिकारी,
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 14-8-1978

मोहर :

प्रस्तुप मार्फ़ि० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 114/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन 15.36 एकरे है, जो पोच्चारम ग्राउन्ड
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सनगारेडी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तकिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269व के प्रमुखण में,
में, उक्त अधिनियम की बारा 269व की उपबारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविक्तियों, अन्तः:—

7-256GI/78

1. (1) युसुपोदीन वैयद (2) हंबीवोदीन हैमद (3)
आक्टर अजीजोदीन (4) अर्नीसीदीन हैमद (5)
इमतेकाहनीसा बेगम घर नं० 22-1-1967 अजीज
बाग-सुलतानपुरा, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. (1) मनोहरलाल अगरवाल (2) धेन्द्रा मोहन अगरवाल
(3) बीजमोहम अगरवाल (4) अनन्द मोहन अगरवाल
घर नं० 117 बीहोनपली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्रयोग होगा, जो उम अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सुकी जमीन पीचारम गाड सर्वे नं० 157/1 मेदक जिला में
15.36 एकरे रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2017/77 उप-रजिस्ट्री
कार्यालय सनगारेडी में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रे हैदराबाद

तारीख: 14-8-1978

मोहर:

प्रकल्प प्राई• टी• एन• एस•--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अगस्त 1978

निदेश सं. 115/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 23—29 एकड़ है, जो पटनघेरऊ मेदक जिला में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सनगारेषी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-12-1977

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरऊ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मोहनलाल अगरवाल (2) धेन्द्रमोहन अगरवाल
(3) ब्रिजमोहन अगरवाल (4) श्रानन्द मोहन
अगरवाल घर नं० 177 बीयीतपल्ली, सिकन्द्राबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री युसुपीदीन अहमद पोता ताजीदीन अहमद घर
नं० 22-1-1967 अजीजबाग हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूची जमीन 23—29 एकड़ पटनघेरऊ गांव के पास सनगारेडी तालुका मेदक जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2016/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सनगारेडी मे

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

ग्रन्त : ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रन्ति :—

दिनांक 14 अगस्त 1978
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 116/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 6 है, जो अमीरपेट में स्थित है (श्री इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री महाबीर प्रशाद पिता स्वर्गीय पापालाल घर नं० 21-2-724 चारकमान हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री मुकुनदास पिता किशन गोपाललोया मकान नं० 3-2-813 लीनगमपेली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अव होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खली जमीन प्लाट नं० 6 अमीरपेट हैदराबाद म है विस्तीर्ण 715 वर्ग याडे रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3221/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुशरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की अपार्टमेंट (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता।—

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 117/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 2 है, जो अमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 23-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति :—

(1) श्री सत्यनारायण गुप्ता घर नं० 21-2-724 चारक-मान हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द लाल, पोता चूनीलाल मोहनदास घर नं० 5-5-161/3 रानीगंज सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 2 अमीरपेट हैदराबाद के पास में है विस्तीर्ण 715 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3222/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं 118/78-79—यतः मुझे के० एस० वेक्टर रामन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं ० खुली जमीन 530 वर्ग यार्ड है, जो मारेडपली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णलूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-12-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नीलेश वी पटेल 75 नेहरूनगर सिकन्दराबाद
(अन्तरक)
(2) श्री अब्दुल गफार धर नं० 1-5-48/2 बीयोड
पोलीस स्टेशन मुर्शिदाबाद हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टर्न 530 वर्ग यार्ड जान रास्ता मारेडपली
सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2166/77 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेक्टररामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी.एन.एस.-----

ग्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं० 119/78-79—यतः मुझे के० एस० बेंकटरामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकारात्मकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपए से अधिक है

और जिस की सं० 40-1-824/3 है, जो जे न० रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतृप्त से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती दीनबानुजाल बस्तावाला घर नं० 4-1-824 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार गुप्ता घर नं० 18-4/ वीगयानपुरी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को प्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरणः—इसमें संयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/3 नैजामशर्ई रास्ता हैदराबाद में हरजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3606/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978
मोहर :

प्रलूप प्राइंटी० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 120/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 11-2-1000 और 1000/ए है, जो हबीबनगर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलाम हुसैन घर नं० 6-3-349/9 द्वाराकापुरी
कालोनी पंजागुड़ा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरबीमा बेगम पती महमद शारफीदीन
हैमद 10-2-1000/1000/ए हबीबनगर हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उम प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 11-2-1000/1000/ए हबीबनगर हैदराबाद
वीस्टर्न 171.60 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में
दस्तावेज नं० 3150/77 है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

६९ घ(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 121/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० पलाट नं० ए घर नं० 22-7-270 दीवान खेड़ी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से लूई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या भ्रष्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री मनशीलाल पिता हरीशंकर अगरवाल घर नं० 15-1-630/1 फीलकाना हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री दुनगरसी हीनदुधा (2) श्रीमती जया वाई पती दुनगरसी हीनदुधा घर 21-1-740 पतरगटी हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धानी

खुली जमीन नं० /ए वसीन 687-56 वर्ग याड़ घर का नं० 22-7-270 का बाग है दीवान देवड़ी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2455/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०————
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 122/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पलाट नं० घर नं० 22-7-270 का बाग बीवान खेड़ी में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
बृश्यमान प्रतिफल को पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या शम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—
8-256GI/78

(1) श्री सनवलराम कनोडिया घर नं० 117/1 5वीं कास
रास्ता कालसीपलयेम नया भाग बैंगलूर-2।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुनगरसी झट्ठा (2) श्रीमती जयबाई पती
दुनगरसी हीनदुधा घर नं० 21-1-740 पत्तरगटी
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी शम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता-
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टेन 278.44 वर्ग यार्ड एक बाग है नं
22-7-270 नैजाम बाग बीवानदेवडी हैदराबाद के पास रजिस्ट्री
वस्तावेज नं० 2456/77 आजमपुरा हैदराबादके कार्यालय में।

के० एस० वेंकटरामन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 123/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9 दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावैध प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी प्रवाकर रेड्डी पिता रामचन्द्ररेडी बोकुडपली पुलीवेलडला तालूक कडपा।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० सुदाकर रेडी पिता वी० एस० राजरेडी पुलोवेलडला तालूक कडपा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टर्न 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा, कडपा में है आयकर भवन कार्यालय के सामने है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5496/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कडपा में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकल्प ग्राइंड ८० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 124/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्णलूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान
प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री डी० शिवकुमार रेडी पिता रामचन्द्र रेडी बुकड-
पली रोड पुलीवेंडला तालूक कडपा जिला
(अन्तरक)

(2) श्री वी०एम० रवीन्द्रानन्द रेडी पिता वी०एस० राजरेडी
पुलीवेंडला तालूक कडपा जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदृ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खुली जमीन 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा कडपा जिला
आयकर भवन के कार्यालय के बाजू में है ई०डब्ल्यू० 38 फीट०एन०
एस०-123 फीट रजिस्ट्री कार्यालय कडपा और दस्तावेज नं०
5495/77 में है

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 125/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिस की सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम, की धारा 269-व के मनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धेन्द्रा जन्ना शेखर रेडी पिता रामचन्द्र रेडी बुकडपली रोड पुलीवेन्डला तालुक कडपा (अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० वीकेका नन्दारेडी पिता वी० एस० राजारेडी कडपा जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा आयकर भवन कडपा के बाजू में है ₹० बेस्ट-38 फीट मार्ट सौल-123 फीट है रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में दस्तावेज नं० 5494/77

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14 अगस्त 1978
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 126/78-79—यतः मुझे के० एस० बैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्णसूचे में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1977 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री ई० नारायण रेडी पिता रामचन्द्रा रेडी बुफलपली गांव पुलीवेन्डला कडपा जिला
(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० राजशेखर रेडी पिता वी० एम० राजरेडी पुलीवेन्डला कडपा जिला
(अ तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 520 वर्ग याडे नागराजु पेडा गांव आयकर भवन के बाजू में, कडपा में है ई० वी० -38 फीट एन० एस०-123 फीट है दस्तावेज नं० 5498/77 न्प रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में है

के० एम० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 1 अगस्त 1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 127/78-79—यतः मुझे को० एस० वेंकटरामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की स० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा में स्थित है
(और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कडपा में मारठीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रस्तारी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व
में कभी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भूम-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ (1) की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रष्ठा :--

(1) श्री डॉ० रामचन्द्र रेडी बुकडपली गांव, में पुलीबेंडला
तालूक कडपा जिला

(अन्तरक)

(2) श्री डॉ० एस० जार्ज रेडी पिता ए० एस० राजरेडी
पुलीबेंडला तालूक कडपा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही भर्ये होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

प्रत्यक्षी

खुली जमीन वीतसेन 851 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा प्रायकर
भवन कुडपा के पास में है रजिस्ट्री दस्तावेज है 5492/77 उपरजिस्ट्री
कार्यालय कडपा में।

को० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यांग, सशावह ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 128/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/84 ए और 85/है, जो नागराजुपेटा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती सुगनापीटर पत्ती एम० एन० पीटर (2) प्रान्तीन्स चन्द्राशेखर पीटर (3) जोसेप चन्द्राबुशन पीटर (4) जोसेप हेमामालिनी तमाम लोग कडपा में रहते हैं

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज रेहु, (2) राजासेकर रेहु (3) वीचेना मनदारेहु (4) सुदाकररेहु (5) राजारेहु कडपा में रहते हैं

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3/84 ए और जमीन का सत्ता नं० 3/85 नागराजुपेटा कडपा रेलवे स्टेशन के पास है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5684/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 अगस्त 1978

नं० 135/78-79—यत्. मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 1-8-165 है, जो कामरेडी निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी को अर्थात् :—

(1) कुमारी के० आर० स्वरूपारानी पिता के० आर० राजरेडी सरोजनी देवी रास्ता कामारेडी निजामाबाद जिला

(अन्तरक)

(2) श्री श्रमरजीता सीनग पिता दरशन सिंह स्टेशन रास्ता कामारेडी निजामाबाद जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1-8-165 स्टेशनरोड कामारेडी निजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4954 / 77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कामारेडी

के० एस० वेंकटरामन
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस० ——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1978

नं० 136/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं०मलगी नं० 1-8-168 है, जो कामारेडी नैजामाबाद
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कामारेडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, प्रमुखता की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रथात्:—

8-236 GI/78

(1) कुमारी स्वरूपरानी पिता के० श्राव० राजरेडी सरोजिनी
देवी रास्ता—कामारेडी नैजामाबाद जिला।
(अन्तरिति)

(2) श्री नीमाला राजरेडी, पिता जीवा रेडी जनरल
व्यापारी और कमीशन एजेंट गानदी गंज कामरेडी
नैजामाबाद जिला
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम प्रधाराय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 1-8-168 स्टेशन रास्ता कामारेडी नैजामाबाद
जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4955/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
कामारेडी में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1978

मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 29 अगस्त 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर०-III/

फरवरी-42/77-78/2608—अतः मुझे, जो० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है।

और जिस की सं० ए-427 है तथा जो डिफैन्स कालोनी, नई
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन विनांक 15-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घट या अन्य प्राप्तियों को जिस्में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्नी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री अहरी, पत्नी श्री सुभाष चन्द्र अहरी निवासी 33/3, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार स्वर्ण सिंह सामवी, सुपुत्र सरदार स्वर्ण सिंह सामवी तथा श्रीमती भागवन्ती, पत्नी सरदार स्वर्ण सिंह सामवी, निवासी ए-427, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवधारण के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिविवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 216.60 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट के ऊपर बना हुआ है, जिसका नं० ए-427 है डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मन रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : ए-426

दक्षिण : ए-428

जो० एस० गिल

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 29-8-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एस० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 29 अगस्त 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ 1/एस० आर०-III/
जनवरी-73/77-78/2609—अतः मुझे, जो० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० एम-72ए है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 26-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती जोगीन्द्र पसरीचा, बनाम् श्रीमती जोगीन्द्र
कौर पसरीचा पत्नी श्री एच० एस० पसरीचा, निवासी
ए-18, साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली (2) श्रीमती
श्रमृत कौर अहुजा, पत्नी श्री अजीत सिंह अहुजा,
निवासी 12/28, राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० बी० एल० एण्ड क०, इनके पाठ्नर श्री जूगल
किशोर अग्रवाल के द्वारा, निवासी डब्ल्यू-39, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित करता है।

उक्त सप्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्ति में क्षितिजद
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जोकि दुकान/व्यावसायिक दोनों है, इसका क्षेत्रफल
121 वर्ग गज है, और नं० 72-ए, ब्लाक नं०, ‘एम’ है, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहादुर गांव, दिल्ली की यूनियन
टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : रोड़

उत्तर : (दुकान) प्लाट नं० एम-72

दक्षिण : (दुकान) प्लाट नं० एम-73

जो० एस० गिल

सकम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 29-8-78

मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

4/14क, आसफगढ़ी रोड़, नई दिल्ली ।

मई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर-II/दिसम्बर/1593/ 77-78/2615—अतः मुझे, डी० पी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है,

और जिस की सं० मकान नं० 9 रोड़ नं० 51 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिरूप केलिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपप्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रार्थत:—

(1) राम किशन भारती, सुपुत्र श्री बाल किशन निवासी 9/51, पंजाबी बाग, दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री वलोचन सिंह (2) करतार सिंह (3) बलबीर सिंह, सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, निवासी 28, नार्थ एवेन्यु रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 538.89 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है जिसका नं० 9, रोड़ नं० 51 है, पंजाबी बाग, मादीपुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन नं० 51

पश्चिम : 15, चौड़ी सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० 7 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० 11 पर मकान

डी० पी० गोयल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 2 सितम्बर 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० डी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज III दिल्ली-1

4/14 क, ग्रामकर अधिनियम, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/एस० ग्राम्य-II/
दिसम्बर, 1698/77-78/—ग्राम: मुझे, डी० पी० गोयल
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० ई-9 है तथा जो न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
26-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और ग्राम्यकर (ग्राम्यकरों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्राम्यकरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्राम्यकरण लिखित में
बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) ग्राम्यकरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के ग्राम्यकर के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को अन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरिती अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्राम: धब, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसरण
में, ये; उक्त अधिनियम, की धारा 269वां की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(1) श्रीमती विद्यावती नारंग, सुपुत्री श्री परशोत्तम लाल,
विद्या पत्नी श्री जय देव नारंग, निवासी मकान नं०
सी-19, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शील सहगल, पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश सहगल
मकान नं० 18, नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग
एक्सटेनशन, दिल्ली-110026
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रथमाय 20क में परिभाषित
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रथमाय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 9, ब्लाक नं० 'ई' है और
क्षेत्रफल 206/2-3 वर्ग गज है जोकि 172.8 वर्ग मीटर के बराबर
है, न्यू मुलतान नगर, मैन रोहतक रोड, जवाला हैरी गांव, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 40 फुट चौड़ी मैन रोड

पश्चिम : प्लाट नं० ई-8

उत्तर : 22 फुट चौड़ी सर्विस लून

दक्षिण : 40 फुट चौड़ी मैन रोड

डी० पी० गोयल

सजम अधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, नई दिल्ली-1

दिनांक 2 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टौ० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/242
दिसम्बर-28/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधोन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एम-44 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल वे, जिए प्रस्तुत की गई है और
मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और भ्रस्तरक
(भ्रस्तरकों) और भ्रस्तरिती (भ्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
भ्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त भ्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्ने
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ भ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रन्ति: ग्रन्ति, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपावना (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

(1) कमला देवी कपूर, निवासी डी-15, कमला नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एच० एस० दुग्गल, निवासी 16, ईश्वर कालोनी,
पम्बरी रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समांदी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अस्य अवधि द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका प्लाट नं० एम-44 है, ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है:—

जे० एस० गिल
सज्जम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 7 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्य०/१/एस० आर-II
विसम्बर-4/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन पञ्च प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 2 है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपरोक्त वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कार प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

(1) श्री राम सिंह, निवासी 1-ई/1, झण्डेवालान, करौल
बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दया कौर, पत्नी श्री अवतार सिंह, तथा श्री
गुरवेंद्र सिंह, निवासी मकान नं० 2, एन० डी० एस०
ई० पार्ट-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तने के लिए
कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्तने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका नं० 2 है और क्षेत्रफल 300 वर्ग
गज है, हाउसिंग सोसाईटी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, नई में
है।

जे० एस० गिल
सज्जम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निवेदण सं० अर्जन/898/फिरोजाबाद/77-78/48—यतः,
मुझे, आर० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो.....
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री श्रीराम पुत्र सियाराम निवासी बसई मोहम्मदपुर
पो० ब० तह० फिरोजाबाद जिला आगरा
(अन्तरक)

2. श्री सतीश प्रकाश मितल, विजय प्रकाश मितल,
राजेन्द्र प्रसाद मितल, नरेन्द्र प्रकाश मितल व वेद प्रकाश
मितल पुत्राण सियाराम मितल निवासी चौबे जी का बाग
फिरोजाबाद जिला आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किय जा सकें।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अन्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल गृह सम्पत्ति स्थित परमेश्वरन गेट फिरोजाबाद
जिला आगरा 40000 में छेंची गई।

आर० पी० भागव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-4-78
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th August 1978

No. A. 12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

for Chairman,

Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 26th August 1978

No. A. 12019/1/78-Admn.II.—In continuation of the U.P.S.C. Notification of even number dated 10-4-1978, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of C.S.S.S.) and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of C.S.S.S.) to the post of Special Assistant to Chairman in the office of Union Public Service Commission on an *ad hoc* basis for the period from 1-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. L. Khanduri will continue to be on deputation to the *ex cadre* post of Special Assistant to Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E. III/60, dated 4-5-1961, as amended from time to time.

New Delhi-110011, the 14th August 1978

No. P/1807-Admn.I.—On his transfer as Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Poona, the services of Shri A. N. Kolhatkar, an officer of IRS, and working as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, have been replaced at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, w.e.f., 14-8-1978 (AN) for taking up his new assignment.

The 31st August 1978

No. A. 19014/1/77-Admn.I.—Consequent upon his posting as Deputy Accountant General in the Cochin Branch of the Accountant General Kerala, Trivandrum, the services of Shri R. S. Aier, an officer of the Indian Audit and Account Service on deputation as Under Secretary, Union Public Service Commission, have been replaced at the disposal of the Comptroller and Auditor General of India w.e.f., 31-7-78 (AN).

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 1st August 1978

F. No. J-28/65-Ad.V.—Consequent upon his selection as Supdt. of Police in the Gupta Commission of Inquiry set up by the Ministry of Home Affairs, Shri Jetha Nand, Dy. Supdt. of Police, SIC, C.B.I. was relieved of his duties in Central Bureau of Investigation with effect from 1-7-78 (F.N.) to join the Gupta Commission of Inquiry.

10—256GI/78

The 2nd September 1978

F. No. T-8/72-Ad.V.—The Central Bureau of Investigation Gazette Notification No. T-8/72-Ad.V, dated 7-11-75 & 19-3-76 regarding repatriation of Shri T. R. Sriramulu, Inspector, to his State on 15-10-75 and about his being reappointed as Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from 21-2-76, respectively, are hereby cancelled.

Shri Sriramulu should be treated as having continued to remain on deputation as Dy. S.P. from 24-7-72 (A.N.).

The 4th September 1978

F. No. S-6/70-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police, Establishment, hereby appoints Shri Sunder Lal Setya, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on promotion as Senior Public Prosecutor on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 11-8-78 and until further orders.

F. No. K-11/71-Ad.V.—Consequent on his repatriation from the Shah Commission of Inquiry, Shri K. G. Vidyasagar, Dy. S.P., C.B.I. joined C.B.I. in the same capacity on the forenoon of 17-8-78.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A)
C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, 28th August 1978

No. E-32015(1)/6/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Ramakrishnan as Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam on reemployment basis with effect from the forenoon of 1st August 1978 until further orders.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from BIOP Deposit-5 Shri R. Jankiraman assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the forenoon of 5th August 1978.

The 31st August 1978

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation in Tamil Nadu State Shri C. P. Ramakrishnan relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam with effect from the afternoon of 31st July 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer Shri Parshotam Singh relinquished the charge of the post of AIG(NW/Zone), New Delhi with effect from the afternoon of 31st July 1978 and assumed the charge of the post of AIG(L&R) CISF HQs, New Delhi with effect from the same date.

On transfer Shri K. D. Nayar IPS(UT-67) relinquished the charge of the post of Commandant Trg Reserve, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July 1978 and assumed the charge of the post of AIG(NW/Zone) New Delhi vice Shri Parshotam Singh with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Baroda Shri K. K. Kaul relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 1st August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Durgapur Shri S. K. Chadha relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 5th August 1978.

The 1st September 1978

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri B. R. Sur IPS (MT-54) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General/CISF, Bokaro Steel Ltd., Bokaro with effect from the forenoon of 10th July 1978.

2. This supercedes the notification of even number dated 3-8-78.

No. E-18013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Madras Shri M. Devasahayam assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the afternoon of 9th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Cochin Shri P. K. R. Nair relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the afternoon of the 10th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Nagaland Shri M. S. Bose relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit RSP Rourkela with effect from the afternoon of 10th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On repatriation from IIT Kanpur Shri Chetram Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Trg. Reserve, New Delhi w.e.f., the afternoon of 5th August 1978.

The 2nd August 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Jharia Shri N. C. Dass relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f., the afternoon of 7th August 1978.

NARENDRA PRASAD,
Asstt. Inspector-General (Pers).
CIFS Hqrs.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 24th August 1978

No. 7(42)/69315.—Further to this office notification No. PD/2/2104 dated 6-6-1978 Shri S. P. Chatterjee, is appointed to officiate as Asstt. Works Manager in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Asstt. Works Manager i.e. w.e.f. 10-4-78.

No. 7(43).—Further to this office notification No. PD/I/7296 dated 12-12-77 Shri P. P. Sharma, Asstt. Works Manager is appointed to officiate as Asstt. Works Manager in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Asstt. Works Manager i.e. w.e.f. 1-12-77.

The 26th August 1978

No. 7(41)/4412.—Further to this office notification No. C-4/6920 dated 28-11-77 Shri S. S. Johari, Assistant Chief Control Officer is appointed to officiate as Asstt. Chief Control Officer in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Assistant Chief Control Officer i.e. with effect from 14-12-77.

The 28th August 1978

No. 7(44)/4418.—Shri S. S. Manki, Foreman (Production) is appointed to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-8-1978 against the post of Assistant Works Manager fallen vacant due to the *ad hoc* appointment of Shri A. K. Ghosh as Chief Chemist.

S. R. PATHAK,
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas-455001, the 30th August 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 21-4-78 the *ad hoc* appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further

period from 25-3-78 to 31-7-78 on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM,
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT.
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR, SRINAGAR

New Delhi, the 29th August 1978

No. Admn.I/60(58)/78-79/2221-29.—The Accountant General Jammu & Kashmir has appointed Shri Bansi Lal Sultan (date of birth 3-4-1936) a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer w.e.f. the Afternoon of 28-8-1978 till further orders.

M. M. MUBARAKI,
Sr. Dy. Accountant General (A&E).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ORISSA

Bhubaneswar, the 17th August 1978

No. O.O.C1640.—The Accountant General has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840—40—1000 EB—40—1200 from the dates noted against them until further orders :—

- (1) Sri A. N. Biswas—11-8-78 F.N.
- (2) Sri D. S. Patnaik—10-8-78 F.N.
- (3) Sri S. R. Biswas—9-8-78 F.N.
- (4) Sri U. C. Mohanty—9-8-78 F.N.
- (5) Sri Prabhakar Panda—9-8-78 F.N.

Their *interse* seniority will be as indicated above.

S. PALANIAPPAN,
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 24th August 1978

No. Admn.I/IAD/31-Vol.III/C-1(I) /6.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri P. R. Deshpande, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10th August, 1978 FN, until further orders.

R. KRISHNAN KUTTY,
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

SOUTH CENTRAL RAILWAY

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

Secunderabad-500371, the 30th August 1978

No. Au/Admn.II/5/Vol.II/724.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri C. Bhaskara Rama Murthy, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 11th August, 1978 Forenoon, until further orders.

No. Au/Admn.II/5/Vol.II/725.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri P. Satheendranathan, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 22nd July, 1978 (Forenoon) until further orders.

D. N. PRASAD,
Dy. Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

SOUTHERN RAILWAY

Madras-3, the 1st September 1978

No. A/PC/VR/10056.—Sri V. Ramanathan, a permanent member of the SRAS cadre, in the office of the Chief Auditor/Southern Railway/Park Town/Madras is promoted by the Chief Auditor to officiate as Audit Officer in the scale Rs. 840—1200, with effect from 3-8-1978 FN, until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad hoc basis and shall be subject to the final order of the Supreme Court.

T. B. NAGARAJAN,
Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 29th August 1978

No. 86016(13)/75-AN-II(PC).—Shri B. K. Banerjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service serving on deputation as Additional Financial Adviser & Joint Secretary in the Ministry of Finance, Department of Expenditure (Defence Division), who was officiating in Level II of the Senior Administrative Grade, was reverted to the Junior Administrative Grade from the forenoon of 9th September, 1975.

The 1st September 1978

No. 86016(15)/77-AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service with effect from the dates shown against them, until further orders :—

Sl. No., Name of Officer and Date from which appointed.

1. Shri S. Venkatasubramanian,—22-6-77 (FN).
2. Shri R. B. Kapoor,—16-6-77 (FN).

V. S. BHIR,

Additional Controller General of Defence Accounts.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 5th August 1978

No. 12/596/68-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Joint Director in the Department of Chemicals and Fertilizers, New Delhi, Shri S. M. R. Zaidi, a Grade III Officer of the I.E.S., has relinquished charge of the post of Deputy Director in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, with effect from the forenoon of 20th July, 1978.

No. A-19018/336/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. Gajendran, Superintendent, Br. Small Industries Service Institute, Hubli as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the S.I.D.O. with effect from the afternoon of 18-4-78 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri P. Gajendran assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in Small Industries Service Institute, Gauhati w.e.f. the afternoon of 18th April, 1978.

No. 12/365/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. L. Chaudhuri, Director (Gr. II) (Economic Investigation) in Small Industry Development Organisation as Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on ad hoc basis with effect from 11-1-78 FN to 14-7-78 (AN).

2. Consequent upon his appointment, Shri R. L. Chaudhuri relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (EI) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the 11th January, 1978 (FN) and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 11th January, 1978.

The 8th August 1978

No. A-19018/351/78-Admn.(G).—Consequent upon his transfer from the Pay & Accounts Office (Explosives) Nagpur, Shri S. N. Sharma assumed charge of the post of Accounts Officer (ad hoc), Pay & Accounts Office (SSI), New Delhi, in the Office of the DC(SSI), New Delhi with effect from the afternoon of 17th July, 1978.

No. A-19018/350/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Smt. Subbalakshmi Ammal, a Gr. IV Officer of the I.E.S. and Assistant Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Deputy Director (Economic Investigation) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 3rd July, 1978.

2. Consequent upon her appointment, Smt. Subbalakshmi Ammal assumed charge of the post of Deputy Director (EI) in the Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 3rd July, 1978.

The 10th August 1978

No. 12(365)/62-Admn.(G).—On the expiry of the period of his ad hoc appointment Shri R. L. Chaudhuri relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. II) (EI) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 23th August 1978

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969 :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

1. in the entry "AI.FADYNE" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations provisionally upto 30th September, 1978" shall be deleted;
2. in the entry "FORMABLAST" the words and figures "for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31-3-1978" shall be deleted;
3. add "FORMABOOST" after the word "FORMABLAST";
4. in the entry "FORMADYNE" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 30th September, 1978" shall be deleted;
5. in the entry "FORMAGEL" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1978" shall be deleted;
6. in the entry "MONOEX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted;
7. in the entry "PE-IX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted;
8. add "PENTADYNE" before the word "PERMADYNE"; and
9. in the entry "PULVEREX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted.

Under Class 3 Division 1

1. add "GOMA 2E-C" after the word "GEOPHEx".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A—1)**

New Delhi-1, the 29th August 1978

No. A-1/1(221).—Shri M. A. B. Chughtai, permanent Deputy Director and officiating Director of Supplies & Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 30th August 1978

No. A-1/1(539).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Ghosh, permanent officer of Grade II of the Indian Supply Service, Group (A) on his recall from the Supply Wing, Embassy of India, Washington, to officiate as Director of Supplies (Gr. I of the Indian Supply Service, Group (A)) with effect from the forenoon of the 1st July, 1978 and until further orders.

Shri Ghosh assumed charge of the post of Director in the Directorate of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from 1-7-1978.

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

(ADMN. SECTION A—6)

New Delhi, the 31st August 1978

No. A6/247(363)/76-J1.—The Director General (S&D) has been pleased to reinstate in service Shri K. M. Krishnamurthy, AIO (Engg.) who was retired from service under FR-56(J) w.e.f. 30-4-76(AN) vide Notification No. A6/247(363)/76-II dt. 18-9-76.

Shri Krishnamurthy assumed charge of the post of AIO (Engg.) in the office of Director of Inspection, Madras on the forenoon of 31st July, 1978.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st September 1978

No. 5876/B/2181(MLM)/19B.—Shri M. L. Mittal, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 19-9-1977 for joining his new appointment in Mineral Exploration Corporation Ltd., as Chemist.

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th August 1978

No. 10/89/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Purushottam Dass Gupta to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Ahmedabad with effect from 20-7-78 (AN).

HARJIT SINGH.
Deputy Director of Administration,
for Director General.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the September 1978

No. 20(C-3)-1/61-A.1(Vol.II).—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri L. D. Ajmani, retired

from Government Service as Administrative Officer in the National Archives of India on the afternoon of 31st May 1978.

Sd. Illegible
Director of Archives,
Government of India.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

Bombay-26, the 23rd August 1978

No. A.24013/18/78-Est. I.—On expiry of the leave granted to Shri T. Krishnan, Permt. Maintenance Engineer, Films Division, Bombay Shri B. V. Krishnan, Ofsg. Maintenance Engineer reverted to the post of Selection Grade Assistant Maintenance Engineer with effect from the afternoon of 10-8-1978.

The 4th September 1978

No. 6/96/54-Est. I.—Shri D. N. Chandekar, Permanent Asstt. Cameraman and Officiating Cameraman, Films Division, New Delhi, retired from service from the forenoon of the 26th August, 1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 31st August 1978

No. A-20012/8/73-Exh. (A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri G. Krishna Rao to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Office of this Directorate at Vijayawada with effect from 1-8-78 (F.N.) until further orders.

R. DEVASAR.
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advtg. & Visual Publicity.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 7th August 1978

No. PA/73(24)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Balkundi Ashvathrao Krishna as Resident Medical Officer in Radiation Medicine Centre of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 6, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400 085, the 30th August 1978

Ref. N/983/Med/Estt. 1/3231.—The Director, Bhabha Atomic Research accepts the resignation from service tendered by Shri Ramesh Raghavendra Nanjangud, SO/SB with effect from the afternoon of April 25, 1978.

No. C/370/Med/Estt. 1/3249.—Smt. Aleykutty Chacko permanent Matron in Medical Division of this Research Centre retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of June 30, 1976.

No. D. 1345/Med./Estt. 1/3251.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Ravikant Gupta a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of August 28, 1976.

No. A/722/Med/Estt, I/3250.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Ramachandran Bhagwandas Arora, Physiotherapist on part-time basis in the same Research Centre with effect from the afternoon of September 15, 1976.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshah-202 397, the 7th August 1978

No. NAPP/Adm/1(92)/78-S/8131.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri S. Krishnan a permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the Narora Atomic Power Project with effect from 18-7-78 F.N. until further orders.

G. G. KULKARNI
Sr. Administrative Officer

Bulandshah-202 397, the 21st August 1978

No. NAPP/Adm/1(102)78/S/8533.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri K. S. R. K. Sastry, Junior Accounts Officer of P. & T. Department to officiate as Assistant Accounts Officer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 11, 1978 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
For Chief Project Engineer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600 006, the 19th August 1978

Ref. MRPU/200(9)/78 Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri N. Rajagopalan, an officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Regional Purchase Unit as Officiating Assistant Purchase Officer in the same unit with effect from the forenoon of May 8, 1978 to August 31, 1978.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th September 1978

No. 05000/P-195/3927.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vinayak Krishna Potdar, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer in Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, to officiate as Accounts Officer II, in Heavy Water Projects (Central Office), in a temporary capacity, with effect from August 1, 1978 (FN) until further orders.

No. HWPs/Estdt/1/B-88/3928.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivcharan Herma Birua, a permanent Lower Division Clerk in Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy and officiating Upper Division Clerk in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from May 2, 1978 to June 30, 1978 (AN) vice Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 19th August 1978

No. TAPS/1/19(1)/76.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri B. D. Kavishwar, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis during the period from the forenoon of July 10, 1978 to the afternoon of August 14, 1978, vice Shri K. Gopal, Accounts Officer-II promoted on *ad hoc* basis.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th September 1978

No. E(1) 00954.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Subrahmanyam as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1978 and until further order.

Shri Subrahmanyam is posted to Meteorological Office, Visakhapatnam under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th July 1978

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri H. L. Arora, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. the 16-6-78 (FN) and to post him at the same station.

The 31st March 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Ranjit Ghose, Technical Assistant to the grade of Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from 25-2-78 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 28th August 1978

No. A. 32013/9/77-E. I.—The President is pleased to the continued appointment of Shri P. R. Chandrasekhar Deputy Director, Research & Development to the post of Director, Research and Development, Civil Aviation Department for the period from 2-7-1978 to 5-8-1978 on an *ad hoc* basis, in continuation of this office Notification No. A. 32013/9/77-E.I, dated 5-6-1978.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 24th July 1978

No. 29/1978.—Shri Dinesh Chandra Verma, Administrative Officer posted at Central Excise, I.D.O., Mirzapur handed over the charge of his duties to Shri G. N. Shrivastava, Supdt. Group 'B' Central Excise, Mirzapur in the afternoon of 30th June, 1978 and retired from the Govt. service on attaining the age of Superannuation.

A. L. NANDA
Collector
Central Excise, Allahabad

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd September 1978

No. A-19012/629/76-Adm. V.—In continuation of Notification No. A-19012/629/76-Adm. V dated the 24-7-1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. R. Sharma to the post of Extra Assistant Director (Publication) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 30-8-1978 to 30-11-78 or till the post of Assistant Director (Publication) is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 4th September 1978

No. A-32012/9/75-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri R. A. Oak, Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on *ad hoc* basis, in the Central Water and Power Research Station, Pune, on a regular basis in the same post in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the forenoon of 24th July, 1978, until further orders.

2. Shri Oak will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Engineering) for a period of two years w.e.f. 24th July, 1978.

J. K. SAHA

Under Secy.

Central Water Commission

INTEGRAL COACH FACTORY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 31th August 1978

No. PB/GG/9/Misc/II.—Sri C. SURENDRAN, Official Assistant Controller of Stores/S.D. (Class II) has been promoted to officiate in senior scale as District Controller of Stores/Shell from 21-7-1978.

On return from deputation with the Oil and Natural Gas Commission, Bombay, Sri T. S. KRISHNAMURTHY reported for duty on I.C.F. and posted as Officiating Deputy Financial Adviser and Chief Accounts Officer (J.A.) from 22-7-1978.

Sri SYED NEAMATHULLAH, Officiating Assistant Mechanical Engineer/J&T (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Production Engineer/Progress/Fur. from 1-8-1978.

Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Senior Accounts Officer/Shell (S.S.) has been reverted to Class II service as Officiating Assistant Accounts Officer/Fur. from 4-8-1978 F.N.

Sri J. RAJAN, Officiating Assistant Accounts Officer/Fur. (Class II) has been reverted to Class III service from 4-8-1978 F.N.

On transfer from South Central Railway Sri V. CARME-LUS, Assistant Mechanical Engineer (I.S.) has reported for duty in I.C.F. and posted as Assistant Works Manager/Mfg./S (J.S.) from 11-8-1978.

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Raipur-492 015, the 4th September 1978

No. P. 3/1/78-3014P.—In continuation of this office Notification No. P. 3/1-18077 (P) dated 7/6/1978, the officiating

appointment of Shri A. Gopala Rao, on *ad hoc* basis in the post of Assistant Engineer (Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation, posted in the Drilling Sub Division at post and District-Bolangir (Orissa) is extended for a further period of one year with effect from the forenoon of 1-4-1978 to 31-3-1979, or till the regular incumbent of the post reverts, whichever is earlier.

N. SATHYAMURTHY
Operational Engineer

MINSITRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
MAHARASHTRA

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Bombay Studios Private Limited.*

Bombay, the 29th August 1978

No. 3493/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bombay Studios Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Sagar Industries Private Limited.*

Bombay, the 29th August 1978

No. 8296/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sagar Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Mikaz Films Private Limited.*

Ahmedabad, the 29th August 1978

No. 1362/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mikaz Films Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Sunlite Batteries and Carbons Limited.*

Ahmedabad, the 29th August 1978

No. 1571/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sagar Industries Private Limited, unless less cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Hawk Finance Private Limited.*

Jullundur City, the 30th August 1978

No. G/Stat/560/5404.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Hawk Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act 1956 and of
The Asoka Transport Company Limited*

Madras-6, the 31st August 1978

No. DN/147/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Asoka Transport Company Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Cardomam Planters' Union High School Committee*

Madras-600 006, the 31st August 1978

No. DN/446/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cardomam Planters' Union High School Committee has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Kameshwara Chit Fund and Finance Private Limited*

Pondicherry-1, the 4th September 1978

C. No. 74/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company 'Kameshwara Chit Fund and Finance Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies
Pondicherry

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VIDARBHA, NAGPUR

Nagpur, the 3rd August 1978
(INCOME TAX)

No. Esst./Jue/14/78-79.—In exercise of the powers conferred on him under section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). The Commissioner of Income-tax, Vidarbha, Nagpur hereby abolishes the following office, w.e.f. 7th August, 1978.

- (1) Office of the Income-tax officer, C-Ward, Chandrapur, Created vide this office Notification of even No. dated 8-6-1978

V. CHIDAMBARAM
Commissioner of Income-tax
Vidarbha, Nagpur

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 7th June 1978

- (1) 1. Shri Pran Kanai Dey,
Karimganj.
2. Shri Balahari Dey
Karimganj.
3. Shri Dilip Kumar Dey,
2 & 3 son of Shri Pran Kanai Dey.
4. Shri Hiranmoy Dey
S/o Sj. Paritesh Dey.
5. Shri Sukhamoy Dey,
S/o Sj. Paritesh Dey.
Power of Attorney to—
Shri Balahari Dey.

(Transferees)

- (2) 1. Shri Jadu Nath Sen
S/o Late Nishi Kanta Sen.
2. Shri Makhan Chandra Sen
S/o Shri Jadu Nath Sen.
3. Shri Prabir Kumar Sen
S/o Jadu Nath Sen.
4. Shri Satana Sen
S/o Jadu Natha Sen.
Karimganj Bazar, Karimganj, Cachar.

(Transferees)

Ref. No. A-183/KRJ/78-79/1969-77.—Whereas I, EGBERT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Taluk No. 15825/338 Taluk Phazil, situated at Pargana Kusiarkul, mouza Banamali, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 7-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2226 Sq. Ft. along with a house measuring 2100 Sq. Ft. situated at East Bazar Karimganj, in the district of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 7-6-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishanlal Ladha s/o
Shri Kanmalji Ladha, r/o 60, Bada Sarafa,
Indore.

(2) Smt. Sheela Angrish w/o
Shri Keshrichandji,
240, Srinagar Colony,
Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1070/78-79.—Whereas I. R. K BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 240, Srinagar Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

11—256GI/78

FORM ITNS—

(1) Shri Shivdayal s/o Shri Kadorelal Sahu,
r/o 26, Sadhu Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishanlal s/o
Shri Gurumukhdas Satwani,
87, Gopalbagh Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1071/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. 87, (Western Portion), Gopal Bagh Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1978

Seal ;

FORM ITNS —————

(1) Smt. Goswami Chandraprabha Bahaji
W/o Late Shri Girdharilalji Goswami,
1, South Yeshwantganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sobhagmal s/o Shri Juharmalji Mehta,
19, Yeshwantganj, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1072/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer
at Indore on 30-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Front portion of House No. 15, Block No. 43-B, Street No. 4, Sanchlataganj, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ganesh Raoji Rege,
r/ 43, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,**
**ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1073/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Chandraprakash s/o Shri Hariramji Bhargava, (at present residing at Leela Sadan, 43, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 43, (Southern Portion), Vallabh Nagar, Indore.

R. K. BALI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ganeshraoji Rege,
r/o 43, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1074/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Gayaprasad s/o
Shri Harbhajanmalji Bhargava,
r/o 43, Leela Sadan,
Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North portion of House No. 43, Vallabh Nagar, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Vidya Sagarji Hasija s/o
Shri Lilaramji Hasija,
9/1 New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) State Bank of India Employees Abhilasha Co-op.
Housing Society Ltd.,
C/o State Bank of India, GPO, Residency Area,
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1075/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 20-12-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 23, Street No. 2, Manoramaganj, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Kesarbai wd/o Bherusinghji Jat;
 2. Shri Ghasilal s/o Bherusingh Jat,
 both r/o Tajpur Gori, Pargana Shujalpur,
 Distt. Shajapur.

(Transferors)

- (2) Shri Kishorsingh s/o Kashiram;
 (ii) Shri Gopalsingh s/o Kashiram,
 both r/o village Dedla,
 Teh. & Distt. Shajapur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,****BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1076/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land etc.
 situated at Shujalpur,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shujalpur on 2-12-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land area 9.616 Hectares, Survey No. 69, with Pucca Well, Motor Pump 5 H.P.; Electric Connection with Mango Trees 10 and Orange trees 40, at Gram Tajpur Gori, Dist. Shujalpur.

R. K. BALI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pramod Kumar s/o
Shri Murlidhar Brahmin,
r/o Betul Bazar, Betul.

(Transferor)

(2) Shri Sarswati Prasad s/o
Kishorilal Mahto,
r/o Betul Bazar, Betul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 27th July 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/1077/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land, situated at Village Arul, Dist. Betul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Betul on 2-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3.237 Hectres of Khasra No. 465/1 in village Arul, Tehsil & District Betul.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1078/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—256GT/78

- (1) S/Shri I. Ahsan Mohd.;
2. Hakim Mohd.;
3. Abdul Karim all sons of Fateh Mohd. &
4. Smt. Kamrunissa wd/o Fateh Mohd. through
Power of Attorney Shri Karim Mohd.
all r/o Chhipa Bakhal, Indore.

(Transferor)

- (2) S/Shri I. Iftikhar Hussain;
2. Riyaj Hussain both sons of Faiyyaj Husseinbhui
Kagdi, r/o 24, Kagdipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern Portion of H. No. 101 (Shop) at M.T. Cloth Market, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shivaji Grah Nirman Sahakari Samiti,
Maryada, Gwalior

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arvindsingh s/o Thakur Lokendra Singh,
1/o Deogarh Kothi,
Kamboo, Lashkar.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1079/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open Land in Jai Palace Compound, Lashkar, (Area 40,000 Sq. ft.).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) (i) Shri Vishnu Khushal Mahajan,
Shahpur & (ii) Smt. Yashodabai wd/o
Khushal Mahajan, r/o Shahpur,
Teh. Burhanpur.

(Transferors)

(2) (i) Shri Shreenivasrao Ramkrishnrao Pawade,
Shahpur & (ii) Smt. Durgabai w/o Shreenivasrao
Pawade, r/o Shahpur,
Teh. Burhanpur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1080/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land etc.

situated at Vil. Digha, Teh. Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 3-1-1978

or an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Digha Teh. Burhanpur, New No. 87, Rakbi 13-90 Acres, 5-625 Hectares, Crop, trees, Motor Pump & Well.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-7-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gourikutty Amma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st July 1978

Ref. No. L.C. 201/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Perumbavoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbavoor on 13-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gourikutty Amma.

(Transferor)

(2) Dr. Meenan Sahib.

(Transferee)

(3) The Forest Working Plan Office, Perumbavoor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

35 cents of land with building No. PMC V/323 of Perumbavoor Municipality—vide Schedule to Document No. 3575 of 1977.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madhusudan anan.

(Transferor)

(2) Smt. Karthiayani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st July 1978

Ref. No. I.C. 202/78-79.—Whereas, I. P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Parur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Parur on 13-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40½ cents of land with building No. PMC VIII/215 of Parur Municipality—vide schedule to Document No. 3844 of 1977.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411005**

Pune-411005, the 15th June 1978

Ref. No. CA5/Nasik/March'78/359.—Whereas, I,

Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 1055-A situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nasik on 1-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Dattatraya Damodar Mandavgane
 (2) Lilabai Damodar Mandavgane
 (3) Shri Vijaykumar Dattatraya Mandavgane
 (4) Shri Pradeep Dattatraya Mandavgane
 (5) Shri Milind Dattatraya Mandavgane
 All at Mombivli, Dist. Thane.
 (Transferor)

(2) (1) Shri Ambadas Martandsheth Jagdane
 (2) Shri Narayan Martandsheth Jaddane
 1852, Old Tambat Lane, Nasik-1.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 1055-A at Nasik, three storied building. Area : 158.9 Sq. mts.
 (Property as described in the sale deed registered under No. 278 dated 1-3-1978 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

Smt. P. LALWANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Pune.

Date : 15-6-1978

Seal :

FORM ITNS

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5969/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36/1, Mount Rd., situated at Guindy, Madras-600032 Comprised in T.S. No. 9/1 of Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of Registering Officer at JSR-II, Saidapet, Madras, Document No. 894 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri M. W. Manickam,
2, Caroline R. then Bai Manidam,
No. 36/1, Mount Road, Guindy,
Madras-600032.

(Transferor)

(2) 1. Shri T. Ponnappan,
No. 22-2-11, M. A. S. Suban Chettiar St.,
Aruppukottai.
2. Shri T. Rathinam.
3. Smt. R. Rajathi,
4. Smt. M. Pappathi,
5. S. S. R. Sankaralingam,
6. K. S. Kamakshi Chetty of Aruppukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing present Municipal Door No. 36/1, Mount Road, Guindy, Madras-600032 comprised in T.S. No. 9/1, of Adyar Division.

Document No. 894/77.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4569/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 242H, situated at 6th St., Gandhipuram Extension, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore, Document No. 1221 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. K. Saroja
W/o Shri N. Krishnaswamy
2. Shri N. Krishnaswamy,
S/o Shri Narayanaswamy Naidu,
No. 242-H, 6th Street, Gandhipuram Extension,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri T. S. Marannan,
S/o T. V. Subbe Gouder,
13 'B' 6th Street, Gandhipuram Extension,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 242-H, 6th Street, Gandhipuram Extension, Coimbatore (Land and Building) T.S. No. 11/1259/8.
Document No. 1221/77.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4569/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 11/1259/8 of Ganapathi Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore,

Document No. 1220 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—256GI/78

(1) 1. Smt. K. Saroja
W/o Shri N. Krishnaswamy,
2. Shri N. Krishnaswamy,
S/o Shri Narayanaswamy,
No. 242-H, 6th Street, Gandhipuram, Extension,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Ranganayaki,
S/o T. S. Marannan,
13-B, 6th Street, Gandhipuram, Extension,
Coimbatore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.S. No. 11/1259/8 of Ganapathi village, Coimbatore (Land and Building).

Document No. 1220/77.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4568/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/28, 29, 29A situated at N. V. Radhakrishna Chettiar and K. P. Sivaramakrishna Iyer Layout, T.S. No. 11/1267/41 of Ganapathi Village, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Coimbatore Document 1211/77 on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Thiru M. Selvaraj,
S/o P. Madalaimuthu,
13/204, Dr. Rajendra Prasad Road,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sugunadevi,
W/o M. M. Ramalingam,
Vellakinaru Village,
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at N. V. Radhakrishna Chettiar and K. P. Sivaramakrishna Iyer Lay out bearing Door No. 13/28, 29, 29A and T.S. No. 11/1267/41 of Ganapathi Village of Coimbatore Taluk.

Document No. 1211/77.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4571/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 12/238, Door No 91-R situated at Alagesan Road, Narayanaswamy layout, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore, Doc. No. 1230/77 on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri P. Shanmugasundaram,
2. P. Balakrishnan and
3. P. Ramalingam,
Sons of Shri K. S. Paramasivam Chettiar,
No. 91-C, Alagesan Road,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Smt. L. S. RM. Rathinam Achi,
W/o L. S. RM. Ramanathan,
221, Gandhipuram 6th Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Door No. 91-C, Alagesan Road, Coimbatore T.S. No. 12/238 of Narayanaswamy Layout, Coimbatore. Document No. 1230/77. (Land and Building)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5979/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and ground No. 433, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madras North, (Document No. 3733/77) on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Soora Lingiah Chetty,
No. 433, Poonamallee High Road,
Madras-600010.

(Transferor)

(2) Christian Mission Service Private Limited,
No. 4, Sunkurama Chetty Street,
Madras-600001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House and Ground at No. 433, Poonamallee High Road, Madras-600010 (Document No. 3733)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5987/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/1, Bishop Wallers Avenue,
situated at East Mylapore, Madras-4,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Mylapore, Madras Document No. 1154/77 on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. M. Thamby,
68, Nungambakkam High Road,
Madras-600034.

(Transferor)

(2) Shri Nalliyari Kesavan Nair,
7/1, Bishop Wallers Avenue,
Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 7/1, Bishop Wallers Avenue, Madras-600004. Document No. 1154/77.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 8073/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 137, Molachur Village, situated at Chingleput Dist. Document No. 1665/77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Sriperumbudur, on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Palani Ammal,
W/o Shri P. M. Namadeva Chettiar,
17/E-2, Nungambakkam High Road,
Madras-600034.

(Transferor)

(2) Shri C. Poongavana Mudaliar,
S/o Chinnappa Mudaliar,
Sunkuvar Chatram,
Sriperumbudur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 137, Molachur Village, Sriperumbudur Taluk, Chingleput Dist.

(Document No. 1665/77)

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5958/Dec/77. Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 106A, Lloyds Road, situated at Madras-600014 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Mylapore, Madras (Document No. 1093/77) on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. S. Mynavathi,
W/o Radhakrishnan,
13-A, Pillaiar Koil Street,
Madras 600026.

(Transferor)

(2) Smt. Ugam Devi,
W/o Amarchand Chhajer,
16, Tailor's Estate 2nd Street,
Madras-600024.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground at Premises bearing Door No. 106-A, Lloyds Road, Gopalapuram, Madras-600086
Document No. 1093/77.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 6000/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 5 and P (Part) situated at premises No. 5, Greams Road, Madras-600006,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. T. Nagai, Madras, Doc. No. 975

on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker
2. M. Thirunavakkarasu,
No. 1, 1st Link Street,
C.I.T. Colony, Madras-600004.
3. T. Govindnaswamy,
No. 62-B, Mowbrays Road,
Madras-600018.

(Transferor)

- (2) Shri M. Anandan,
No. 1, First Link St.,
CIT Colony, Madras-600004.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/10 undivided interest in land in plot No. 5 and 6 L.A. No. 9/74 of premises No. 5, Greams Road, Madras-600006. Document No 975/77.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

[Signature]

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 17th August 1978

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker,
 2. M. Thirunavakkarasu,
 3. M. Anandan,
 No. 1, 1st Link Street,
 C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-600004.
 4. Shri T. Govindaswamy,
 No. 62-B, Mowbrays Road.
 Madras-600018.

(Transferor)

- (2) Shri K. P. Haja Mohideen,
 No. 28, Jariya Street,
 Koothanallur, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6001/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13-E, situated at in lay out No. 9 of 1974 at 5, Greams Road, Madras-6
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. T. Nagar, Madras Doc. No. 978/77 on December, 1977

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land C.S. No. 97 S No 43/3 and R.S. No. 43/4 and C. C. No. 2950 bearing plot No. 13-E in lay out No. 9 of 1974 in premises No. 5, Greams Road, Madras-600006 (1/25 undivided interest of vacant land with building of carpet area 723 sq. ft. in 3rd floor) (Document No. 978/77).

K. PONNAN
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 14—256GI/78

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5993/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 and 6 (in part) situated at No. 5 Greams Road, Madras-600006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.-I Saidapet, Madras, Doc. No. 608/77 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker,
2. M. Thirunavakkarasu,
3. M. Anandan,
No. 1, 1st Link Street,
C.I.T. Colony, Madras-600004.
4. Shri T. Govindaswamy,
No. 62-B, Mowbrays Road,
Madras-600018.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. R. Kamakshi,
2. Lalitha Visweswaran,
3. Shri R. Kuppuswamy and Radhakuppuswamy
No. 9, Edward Elliots Road,
Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10 Undivided interest in Vacant land of 7 Grounds and 1435 sq. ft. with a Carpet area of 3621 sq. ft. in ground floor in plot No. 5 and 6 of No. 5, Greams Road, Madras-600006. (Document No. 608/77. J.S.R.-I, Saidapet)

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

- (1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd.,
Pokaran House, P.W.D. Road, Jodhpur
Through Director Shri Vikaramsingh
S/o Late Shri Bhawanisingh,
Chhanpawat, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Mohanlal S/o Badarmal
C/o Bombay Silk House,
Timmamcherla, Cuntkal (A.P.)
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 90 to 92 situated at Teh. Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Siwana on 3-12-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmer bearing No. 90, 91 & 92 and more fully described in the conveyance deed Registered by S R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-77.

M. P. VASISTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 90 to 92 situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siwana on 3-12-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd., Pokran House, P.W.D. Road, Jodhpur through Director Shri Vikaramsingh S/o Late Shri Bhawanisingh, Chhapwat, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kesharimal S/o Siremal, resident of Samderi, Tehsil Siwana, Distt. Barmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmer bearing Khasra No. 90, 91, & 92 and more fully described in the conveyance deed Registered by S.R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-1977.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1978

Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd.,
Pokran House, P.W.D. Road, Jodhpur
through Director Shri Vikramsingh
S/o Late Shri Bhawanisingh,
Chhapawat, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Jawarilal S/o Kanrao,
C/o M/s. Okchand Bhamiam,
Nehru Market, Bijapur (Mysore).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 90 to 92 situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmer bearing No. 90, 91 & 92 and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-1978

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th September, 1978

Ref. No. GRG/21/77-78.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 14 at Mehrauli Road, situated at Gurgaon Cantt.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (28 of 1957);

Nok therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shamsher Chaudhary
D/o Shri Ram Sarup
R/o Karol Bagh, Delhi
(Through Smt. Parmeshwari Devi
General Power of Attorney).

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Arora
W/o Shri Madan Lal Arora,
R/o Binachithi, Durgapur-13
(West Bengal).

(Transferee)

(3) Labour Officer,
Labour Department,
Kothi No. 14, Arora Bhavan,
Mehrauli Road, Gurgaon Cantt.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 14, situated at Mehrauli Road, Gurgaon Cantt. "Property as mentioned in sale deed registration No. 2826 dated 28-12-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Gurgaon."

E. K. KOSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bharat Rubber & Allied Industries Registered
Kapurthala (Punjab).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. H. I. Textile Mills,
Head Water Works Road,
Amritsar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th September, 1978

Ref. No. SPT/30/77-78.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 14 kanal 15 marlas situated at Village Kundli, on G.T. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanal 15 marlas bearing Khewat No. 63, Min. Khata No. 137, Kila No. 43 22/7-4, 2/7-11 situated on G.T. Road in village Kundli (Sonepat).

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 3709 dated 27-12-1977 with the Sub-Registrar, Sonepat).

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak.

Date : 4-9-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Jyoti (Chandernagore) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1978

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,

I, V. S. JUNEJA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 356 and 357 situated at Chandernagore, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Sri Ajoy Kumar Rakshit,
- 2. Sri Mihir Kumar Rakshit,
- 3. Sri Samir Kumar Rakshit,
- 4. Sri Prabir Kumar Rakshit.

(Transferee)

- S/Shri
- (3) 1. Shyamapada Chatterjee,
- 2. Dr. K. M. Das
- 3. Dr. K. M. Das,
- 4. N. Sur,
- 5. Tapas Banerjee/Sova Rani Banerjee,
- 6. Subodh K. Sur,
- 7. Subodh K. Das,
- 8. Saroj K. Mondal,
- 9. Smt. Rama Dhar,
- 10. Dilip K. Datta,
- 11. Ram Narayan Bhakat,
- 12. Tarapada Das,
- 13. Dr. Bhupati Sarkar,
- 14. Kartick Ch. Puley,
- 15. H. B. Chakrabarty,
- 16. Sunil K. Neogy,
- 17. Dr. K. M. Das,
- 18. Dr. R. M. Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 3 cottahs 10 chittaks more or less together with structures partly one, partly two and partly three storied including a Cinema House with machineries and furniture known as Jyoti Cinema in Chandan Nagore bearing municipal Holding Nos. 356 and 357 in District Hooghly more particularly as per deed No. 5546 dated 5-12-1977.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 23-8-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Manashi Chakraborty
2. Smt. Madhu Lekha Goswami
(Transferor)

- (2) 1. Smt. Chhabi Rani Bhattacharjee.
2. Sri Samiran Bhattacharjee.
3. Smt. Sumana Bhattacharjee
All proprietors of Tara Engineering Co.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1978

Ref. No. AC-27/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6A situated at Roy Ghat Lane, Serampore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Serampore on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or .

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 8 chittaks 19 sft. together with structure thereon situated at 6A, Roy Ghat Lane, Serampore, Dist. Hooghly more particularly as per deed No. 3319 dated 3-12-1977.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—256GI/78

Date : 18-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Fakruddin Quadri S/o Abdul Sattar Saheb,
Bidar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Salemunisa Begum
D/o Sri Md. Ismail Saheb,
H/o Shri Mahamad Yusuf Ahmed,
No. 7-4-3, Dargapura, Bidar.

T(transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

(3) Shri Bhagawatsingh.
Education College Boys Hostel,
Bidar.

[Person in occupation of the property]

Dharwar-4, the 5th August 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Notice No. 219/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 7-3-40 situated at Dargapura, Bidar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidar under Document No. 1932/77-78 on 24-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The House property at Dargapura, Bidar bearing No. 7-3-40.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4**

Dharwar-4, the 4th September 1978

Notice No. 227/78-79/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 244 and 245 and Doors No. 206/1 and 206/2 situated at Bhatkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Honnavar under Document No. 464/77-78 on 4-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Siddik Mohamed Sayeed
S/o Umer Sahib,
Susgadi of Bhatkal, Navayat Colonies,
Bhatkal (N. Kanara).

(Transferor)

(2) Smt. Nasreem Banoo W/o Jalha Motesham,
Navayat Colonies Susgadi of Bhatkal by her G.P.A.
Holder Shri Mohd. Suaiib Hossan, Motesham,
Now at Post Box No. 4007, Dhubai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of buildings and open sites bearing Plot Nos. 244 and 245 admeasuring area 20 Gunthas and Door Nos. 206/1 and 206/2 situated at Navayat Colony, Susgadi of Bhatkal.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 4-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1978

Ref. No. RAC. No. 113/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/75/1 situated at G.P. Road, Hazurabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hazurabad on 17-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kundharapu Laxmamma,
W/o Gopalaiah,
R/o Jammikunta, Huzurabad-Tq.,
Karennagar-Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Thangeda Pushpalatha,
W/o Dr. T. Anand Rao,
R/o Jammikunta, Huzurabad-Tq.,
Karennagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-75/1 situated at G. P. Road, Huzurabad, total area 822 Sq. yds. Huzurabad, Karennagar Dist. registered vide Document No. 5182/77 with the Sub-Registrar Huzurabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-8-19788

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 114/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 15.36 acres at Pocharam, Village Medak-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on 14-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
 (1) 1. Yousuffuddin Ahmed,
 2. Habeebuddin Ahmed,
 3. Dr. Azeezuddin,
 4. Aneesuddin Ahmed,
 5. Iftikharuddinsa Begum,
 All residing at 22-1-1967 Aziz Bagh, Sultanpura,
 Hyderabad.

(Transferors)

- S/Shri
 (2) 1. Manohar Lal Agarwal,
 2. Chandra Mohan Agarwal,
 3. Brij Mohan Agarwal,
 4. Anand Mohan Agarwal,
 All residing at 177, Bowenpally,
 Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.36 land situated at Pocharam Village in Survey No. 157/1 Medak-Dist, 15.36 Acrs, registered vide Document No. 2017/77 with the Sub-Registrar Sangareddy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Sri 1. Manoharlal Agarwal,
 2. Chandra Mohan Agarwal,
 3. Brij Mohan Agarwal,
 4. Anand Mohan Agarwal,
 All residing at H. No. 177 Bowenpally,
 Secunderabad.

(Transferors)

- (2) 1. Sri Yousufuddin Ahmed S/o Tajuddin Mohd.
 H. No. 22-1-1967 at Aziz Bagh, Sultanpura,
 Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 115/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dry land 23.29 Acres, situated at Patanchervu,
Village Medak-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on 14-12-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land 23.29 acres situated at Patancheru village Sangareddy-Tq. Medak-Dist, registered vide Document No. 2016/77 with the Sub-Registrar, Sangareddy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Mahabir Pershad,
S/o late Palelal,
H. No. 21-2-724 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mukundas,
S/o Kishen Gopal Loya,
H. No. 3-2-813 at Lingampally,
Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 116/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B or
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 6 situated at Ameerpet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Khairtabad on 23-12-1977
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 6 situated at Ameerpet, Hyderabad
measuring 715 Sq. yds. registered vide Document No. 3221/
77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-8-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Satyanarayana Gupta,
H. No. 21-2-724 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Govindlal
S/o late Chunnilal Mondhana,
H. No. 5-5-161/3 at Raniganj,
Secunderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC No. 117/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Tmeerpeta, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khairtabad on 23-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market have of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of thirty days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Plot No. 2 situated at Ameerpet, Main Road
Hyderabad, admeasuring 715 Sq. yds., registered vide Docu-
ment No. 3222/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal

FORM ITNS —————

(1) Sri Nilesh V. Patel,
75-Nehru Nagar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Gaffar,
H. No. 1-5-48/2 Behind Police Station
at Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 118/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 530 Sq. yds. situated at Maredpally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 16-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 530 sq. yds. situated at St. Johan Road, Maredpally, Secunderabad, registered vide Document No. 2166/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—256GI/78

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Miss Dinbanoozal Bastawala,
H. No. 4-1-824 at Jawaharlal Nehru Road,
Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Rajkumar Gupta,
H. No. 18/4 at Vigyanpuri,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 119/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-824/3 situated at Nizamshai Road, Hyderabad, registered vide Document No. 3606/77 with the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Gulam Hussain,
H. No. 6-3-348/9 at Dwarakapuri Colony,
Panjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Meherunnisa Begum,
F/o Mohd. Sharifuddin Ahmed,
H. No. 10-2-1000 and 1000/A at Habibnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 120/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-2-1000 & 1000/Habibnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 15-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House M Nos. 11-2-1000 to 1000/A at Habibnagar, Hyderabad admeasuring 171.60 Sq. yds. registered vide Document No. 3150/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 121/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of A in M. No. 22-7-270 situated at Diwan Devdi, Hyderabad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Azampura on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) 1. Sri Mangilal Agarwal
 S/o Harishanker Agarwal,
 H. No. 15-1-630/1 at Pheel Khana,
 Hyderabad.

(Transferee)

(2) 1. Sri Dungarshi Hindocha,
 2. Smt. Jayabai W/o Sri Dungarshi Hindocha,
 H. No. 21-1-740 at Pattergatti,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. A admeasuring 687.56 Sq. yds. forming a part of House M. No. 22-7-270 at Diwan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 2455/77 with the Sub-Registrar, Azampura.

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 122/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in M. No. 22-7-270 of portion Diwan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Azampura, on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Sanwalram Kanodia,
H. No. 117/1 5th Cross Kalsipalyam,
New Extension, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) 1. Sri Dungarshi Hindocha,
2. Smt. Jaya Bai W/o Sri Dungarchi Hindocha,
H. No. 21-1-740 at Pathergatti,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 278-44 Sq. yds. forming a portion of House M. No. 22-7-270 situated at Nizam Bagh, Diwan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 2456/77 with the Sub-Registrar, Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) D. Prabhakar Reddy S/o Ramchandra Reddy,
R/o Bokkudupally, Pulivendla-Tq.,
Cuddapah- Dist.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Sudakar Reddy S/o Sri Y. S. Rajareddy,
of Pulivendla,
Cuddapah-Dist.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 123/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No. S. 437, situated at Greater
Open land situated at Nagerajupeta, Cuddapah
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddapah on 9-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. at Nagerajupota, Cuddapah
adjacent to I.T. Office Building, registered vide Document
No. 5496/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-8-1978
Seal .

FORM ITNS.—

(1) Sri D. Sankumar Reddy,
S/o Ramachandran Reddy,
R/o Bokkudupalli Village Pulivenda-Tq.,
Cuddapah-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Ravindranand Reddy
S/o Sri Y. S. Rajareddy,
R/o Pulivendla, Cuddapah-Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 124/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta, Cuddapah
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds at Nagarajupet, Cuddapah
adjacent to the Incometax Building Cuddapah, E.W. 38 Ft.
N.S. 123 Ft. registered vide Document No 5495/77 with
the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri D. Chandrasekhareddy
S/o Sri Ramachandra Reddy,
R/o Bokkudupalli, Village,
Puvlivendla-Tq., Cuddapah.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Vivekanandareddy
S/o Y. S. Rajareddy, of Puvlivendla,
Cuddapah-Dist.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 125/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. situated at Nagarajupeta, adjacent to Income tax Office, Cuddapah, E.W. 38 ft. N.S. 123 ft registered vide Document No. 5494/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDRAFABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 126/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta Cuddapah

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—256GI/78

(1) Sri D. Narayana Reddy,
S/o Ramachandra Reddy,
R/o Bokkudupalli, Village, Pulivendla-Tq,
Cuddapah-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Rajasekhara Reddy
S/o Sri Y. S. Rajareddy,
of Pulivendla, Cuddapah-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. at Nagarajupeta, adjacent to Income-tax Office, Cuddapah, E.W. 38 ft. N.S. 123 ft. registered vide Document No. 5498/77 with the Sub-Registration, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 127/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri D. Ramachandrareddy
R/o Bokkudupalli, Village Pulivendla Tq.,
Cuddapah-Dist.

(Transferee)

(2) Sri Y. S. Georgerreddy S/o Y. S. Rajareddy,
of Pulivenldla,
Cuddapah-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of land about 851 Sq. yds. at Nagarajupeta, adjacent to the Income-tax Building Cuddapah, registered vide Document No. 5492/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 128/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

3/84, & 85/ situated at Nagarajupeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddapah on December-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) 1. Smt. Sugana Peter W/o M. N. Peter,
Cuddapah.
2. Francis Chandrasekar Peter,
3. Joseph Chendrabushan Peter,
4. Joseph Hema Nallini,
All residing at Cuddapah.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Sri Geogreddy,
2. Rajasekar Reddy,
3. Sri Vivekananda Reddy,
4. Sri Sudhakar Reddy,
5. Sri Rajareddy,
All residing at Cuddapah.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 3/84A and ground floor 3/85 situated at Nagara-
rajupet, adjacent to Cuddapah Railway Station, registered
vide Document No. 5684/77 with the Sub-Registrar,
Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Kum. K. R. Swaroof Rani,
D/o K. R. Rajareddy,
R/o Sarojini Devi Road,
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Amarjeet Singh S/o Darshan Singh,
Station Road,
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 135/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 1-8-165 situated at Kamareddy, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kamareddy on December 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mulgi Bearing No. 1-8-165 situated at Satation Road, Kamareddy, Nizamabad, registered vide Document No. 4954/77 by the Sub-Registrar, Kamareddy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 136/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-8-168 Mulgi situated at Kamareddy, Nizamabad-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamareddy, on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Kum. K. R. Swaroop Rani
D/o K. R. Raja Reddy,
R/o Sarojini Devi Road,
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Nimmala Raja Reddy,
S/o Jeeva Reddy,
General Merchant and Commission Agents,
Gandhi Gunj, Kamareddy,
Nizamabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi No. 1-8-168 situated at Station Road, Kamareddy, Nizamabad-Dist., registered vide Document No. 4955/77 by the Sub-Registrar, Kamareddy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Savitri Rishi W/o Shri Subash Chand Rishi,
R/o 33/3, Ramash Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Swarn Singh Samwi
S/o Waryam Singh Samwi and
Smt. Bhagwanti w/o S. Swarn Singh Samwi
R/o A-427, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th August 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/Feb.42/77-78/2608.—
Whereas I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
A-427, situated at Defence Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 15-2-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDE

A single storied house built on a free-hold basis of land
measuring 216.60 sq. yds. bearing No. A-427, Defence
Colony, New Delhi and bounded as under :—

North : A-426
South : A-428
East : Main Road
West : Service Lane

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-8-1978 ;

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Joginder Pasricha
W/o Shri H. S. Pasricha,
2. Smt. Amrit Ahuja alias Amrit Kaur Ahuja
W/o Ajit Singh Ahuja,
R/o 12/28, Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferors)

(2) M/s. B. L. & Co.
Through Shri Jugal Kishore Aggarwal,
S/o Baboo Lal Aggarwal
R/o W-39 Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th August 1978

Ref. No. I.A.C.Acq.I/SR-III/Jan.73/77-78/2609.—
Whereas, I, J. S. GILL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-72A situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 26-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

A free-hold shop/commercial plot measuring 121 sq. yds. bearing No. M-72-A, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :

North : Shop Plot No. M-72
South : Shop Plot No. M-73
East : Road
West : Road

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi,

Date : 29-8-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kishan Bharati
S/o Shri Bal Kishan
R/o 9/51, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Tarlochan Singh
(2) Kartar Singh
(3) Balbir Singh
Sons of Shri Ishar Singh
R/o 28, North Avenue Road, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFAJ ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/Dec/1593/77-78.—

Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 9, Road No. 51, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 19th December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 9, Road No. 51, situated in the approved colony known as "Punjabi Bagh" Delhi, area of Village Madipur, New Delhi and bounded as under :—

North : Property built on plot No. 7
South : Property built on plot No. 11
East : Service Lane No. 51
West : Service Land 15 ft. Wide.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 2-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 2nd September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/Dec/1608/77-78.—
 Whereas, I, D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-9, situated at New Multan Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-12-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidya Wati Narang
 Daughter of Shri Parshotam Lal,
 Widow of Shri Jai Dev Narang
 R/o House No. C(6)/19, Kalkaji,
 New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Smt. Sheel Sehgal w/o Shri Om Prakash Sehgal
 R/o House No. 18, North West Avenue,
 Punjabi Bagh Extension,
 Delhi-110026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 9, Block 'E' (Plot No. E-9) ad-measuring 206-2/3 square yards (size 31 ft. × 60 ft.) equal to 172.8 square Metres situated in a free hold and approved residential colony known as New Multan Nagar at Mile Stone 6-7 to 7-2 towards north of main Rohtak Road, Delhi in the area of Village Jawala Heri, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : By 40 ft. wide Main Road of the Colony.
 West : By Plot No. 8 Block 'E' (Plot No. E-8).
 North : By 22 ft. wide Service Lane.
 South : By 40 ft. wide Main Road of the colony.

D. P. GOYAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi.

Date : 2-9-1978
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NJ-W DELHI-110001

New Delhi, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/242/Dcc.28/77-78.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-44, situated at Greater Kailash Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Kamla Devi Kapoor
W/o Shri Hans Raj Kapoor,
D-15, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri H. S. Duggal s/o Sohan Singh Duggal,
16 Ishwar Colony, Pambri Road,
Delhi.
2. Mrs. Jagdip Kaur Duggal w/o H. S. Duggal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An immovable property bearing No. M-44, situated at Greater Kailash Part-I, New Delhi measuring 510 Sq. yds. and bounded as under :

North : Road,
South : Service land
East : Property No. M-46
West : Plot of land No. M-42.

G. S. GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Ram Singh,
R/o 1-E/1 Jhandewala,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. Daya Kaur and Gurdev Singh
R/o No. 2, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/226/Dec.4/77-78.—
 Whereas, I, J. S. Gill,
 being the competent authority under section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 2 N.D.S.E. Part-I, New Delhi situated at
 N.D.S.E. Part-I, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 1-12-1977
 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property and
 I have reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
 for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
 tion and that the consideration for such transfer as agreed
 to between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
 liability of the transferor to pay tax under the
 said Act, in respect of any income arising from the
 transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An immovable property bearing house No. 2 measuring
 300 sq. yds. situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi.

G. S. GILL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 7-9-1978

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 3rd April 1978

Ref. No. Acq/898/Firozabad/77-78/48.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 26-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Beerbal S/o Siyaram Resident of Basai Mohammadpur, P. O. & Teh. Firozabad, Distt Agra.
(Transferor)

(2) S/Shri Satish Prakash Mittal, Vijay Prakash Mittal, Rajendra Piasad Mittal, Narendra Prakash Mittal and Ved Prakash Mittal Sons of Siyaram Mittal, R/o Chaubey Ji Ka Bag, Firozabad Distt Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of house property situated at Parmeshwarangate, Firozabad, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—